RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

वर्ष- 13, अंक - 129 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, गुरूवार 24 फरवरी 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रूस ने चंद घंटों में ही तबाह किए यूक्रेन के एयरबेस और सैन्य ठिकाने

रुकने के मूड में नहीं पुतिन

यूक्रेन के दो गांवों पर रूस का कब्जा, हमले में सात लोगों की मौत

राष्ट्रपति पुतिन द्वारा सैन्य कार्रवाई के आदेश के बाद रूस और भी ज्यादा हमलावर होता जा रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार रूस ने यूक्रेन के दो गांवों पर कब्जा कर लिया है। वहीं मिसाइल हमले में अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है।

कोई देश बीच में न आए, नहीं तो अंजाम बुरा होगा: पुतिन

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि जो कोई भी हमारे देश और हमारे लोगों के लिए खतरे पैदा करने की कोशिश करता है, उसे पता होना चाहिए कि रूस की प्रतिक्रिया तत्काल होगी और आपको ऐसे परिणामों की ओर ले जाएगी जैसा आपने अपने इतिहास में पहले कभी अनुभव नहीं किया है।

यूक्रेन अपना बचाव करेगा और जीतेगा: विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा है कि यूक्रेन अपना बचाव करेगा और जीतेगा। पुतिन ने अभी-अभी यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया है। यूक्रेन के शांतिपूर्ण शहरों पर हमले हो रहे हैं। यह आक्रामकता का युद्ध है। दुनिया पुतिन को रोक सकती है और उसे भी करना चाहिए। अब कार्रवाई करने का समय है।

तेजी से बदलती स्थिति पर हमारी नजर: भारत

यूक्रेन-रूस संकट को लेकर समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बड़ी जानकारी दी है। इसके मुताबिक भारतीय विदेश मंत्रालय ने जानकारी देते हुए कहा है कि हम तेजी से बदलती स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। भारतीयों, खासकर छात्रों की सुरक्षा पर ध्यान दिया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के नियंत्रण कक्ष का विस्तार किया जा रहा है और इसे 24×7 आधार पर चालू किया जा रहा है।

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने हमले के पहले ही दिन यूक्रेन को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। कुछ ही घंटों में रूस की सेना ने यूक्रेन के एयरबेस और एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया है। रूस के विदेश मंत्री सेरगे लावरोव ने कहा कि यूक्रेन पर अब पूर्ण हमला शुरू हो गया है। बीते कई सप्ताह से दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बनी थी। अंत में आज सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमले का ही ऐलान कर दिया। पश्चिमी देशों की ओर से रूस पर प्रतिबंधों के ऐलान भी उसे युद्ध के लिए रोकने में सफल नहीं रहे। काफी दिनों से रूस ने यूक्रेन की सीमा पर डेढ़ से 2 लाख सैनिकों की तैनाती कर रखी थी।

गुरुवार सुबह ही पुतिन ने टेलीविजन पर देश के नाम संबोधन में कहा, 'मैंने मिलिट्री ऑपरेशन को लेकर फैसला ले लिया है।' उनके इस ऐलान के तुरंत बाद जो बाइडेन समेत दुनिया भर के नेताओं ने उनकी निंदा शुरू कर दी। इसके अलावा भारत, अमेरिका और रूस समेत कई देशों का शेयर मार्केट धड़ाम से गिरने लगा। पुतिन के ऐलान के तुरंत बाद यूक्रेन की राजधानी कीव में कई धमाके सुने गए। इसके अलावा कई अन्य शहरों में भी धमाके हुए हैं। यूक्रेन ने भी रूस के हमले की पुष्टि कर दी है। यूक्रेन के बॉर्डर गार्ड्स ने कहा कि रूस और बेलारूस की सीमा से हम पर हमला हो रहा है।

यूक्रेन ने भारत समेत दुनिया से की मदद की अपील

यूक्रेन के नेता वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि रूस की ओर से उनके देश के मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने नागरिकों से यह अपील भी की है कि वे डरें नहीं और हमारी जीत होगी। इससे पहले बुधवार को यूक्रेन ने एक महीने के आपातकाल का ऐलान कर दिया था। इसके अलावा आम नागरिकों को हथियार लेकर उतरने की अनुमति दी थी। यूक्रेन के विदेश मंत्री डिमित्रो कुलेबा ने ट्वीट किया, 'पुतिन ने यूक्रेन पर पूरी तरह से हमले की शुरुआत कर दी है। शांतिपूर्ण यूक्रेनी शहरों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं।'

पुतिन बोले- नरसंहार रोकने के लिए किया है हमला

यूक्रेन ने कहा कि यूक्रेन खुद की रक्षा करेगा और जीत हासिल करेगा। उन्होंने दुनिया से भी अपील करते हुए कहा कि व्लादिमीर पुतिन को रोका जाए। यह बेहद अहम समय है और अब ऐक्शन लेना होगा। इस बीच यूक्रेन के भारत में राजदूत ने भी अपील की है कि इंडिया चाहे तो स्थितियां सुधर सकती हैं। गौरतलब है कि पुतिन ने यूक्रेन के सैनिकों को भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के सैनिक हथियार रख दें और अपने घरों को लौट जाएं। पुतिन ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन में जो नरसंहार हो रहा है, उसे रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है।

यूक्रेन का बड़ा दावा, लुहान्स्क में 5 रूसी विमानों और एक हेलीकॉप्टर को मार गिराया

रूसी हमले के बीच यूक्रेन ने बड़ा दावा किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, यूक्रेनी सेना ने गुरुवार को कहा कि लुहान्स्क क्षेत्र में पांच रूसी विमानों और एक सैन्य हेलीकॉप्टर को मार गिराया गया है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने गुरुवार को कहा कि व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में एक सैन्य अभियान की घोषणा के कुछ ही क्षण बाद रूस ने पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू कर दिया है। कुबेला ने ट्वीट कर कहा, पुतिन ने अब यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया है। शांतिपूर्ण यूक्रेनी शहरों पर हमले हो रहे हैं। यह आक्रामकता का युद्ध है। यूक्रेन अपना बचाव करेगा और जीतेगा। दुनिया पुतिन को रोक सकती है और उसे रोकना चाहिए। कार्रवाई करने का समय अब है।

रूसी हमले के बाद यूक्रेन ने बंद किया एयरस्पेस, दिल्ली वापस लौटा एयर इंडिया का विमान

रूस ने यूक्रेन पर सैन्य हमला कर दिया है। इस दौरान एयरपोर्ट और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। इसे देखते हुए यूक्रेन ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर लिया है। इस वजह से भारतीयों को वापस लाने के लिए कीव के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का एक विमान दिल्ली वापस लौट रहा है। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया की उड़ान एआई 1947 वापस आ रही है, क्योंकि कीव में NOTAM जारी किया गया है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने एक NOTAM (एयरमेन को नोटिस) जारी किया है। इसके मुताबिक, गुरुवार सुबह से यूक्रेन के भीतर नागरिक विमानों की उड़ानें प्रतिबंधित हैं। एयर इंडिया और केंद्र सरकार ने इस नोटिस के बाद विमान को दिल्ली वापस बुलाने का फैसला किया। अधिकारियों ने कहा कि विमान ने दिल्ली लौटने के लिए ईरानी हवाई क्षेत्र से यू-टर्न लिया।

आपको बता दें कि दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआईए) से सुबह करीब साढ़े सात बजे कीव के बॉरिस्पिल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए उड़ान शुरू हुई थी।

भारत ने की युद्ध टालने की अपील, कहा- स्थिति एक बड़े संकट में तब्दील होने के कगार पर

रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के आदेश के बीच अब भारत ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपना पक्ष रखा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने कहा कि हम तत्काल युद्ध टालने की अपील करते हैं, स्थिति एक बड़े संकट में तब्दील होने के कगार पर है। अगर इसे सावधानी से नहीं संभाला जाता तो यह सुरक्षा को कमजोर कर सकता है। सभी पक्षों की सुरक्षा को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान करते हैं। हमें विश्वास है कि इस मुद्दे को केवल राजनयिक बातचीत के माध्यम से हल किया जा सकता है।

राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के आदेश दिए

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के आदेश दे दिए हैं। आदेश जारी करते हुए पुतिन ने कहा कि अगर यूक्रेन पीछे नहीं हटता है तो जंग होकर रहेगी। पुतिन ने यूक्रेनी सेना को धमकी देते हुए कहा कि जल्द से जल्द हथियार डाल दें नहीं तो युद्ध को टाला नहीं जा सकता है।

खास-खबर

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: व्हाट्सएप ग्रुप में आपत्तिजनक मैसेज के लिए एडमिन नहीं होंगे जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप भी किसी व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन हैं तो आपके लिए राहतभरी खबर है। केरल हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि किसी भी व्हाट्सएप ग्रुप में आने वाले किसी भी आपत्तिजनक मैसेज के लिए ग्रुप एडमिन परोक्ष रूप से जिम्मेदार नहीं होगा। कोर्ट ने यह फैसला एक मामले की सुनवाई के बाद सुनाया। दरअसल मार्च 2020 में 'फ्रेंड्स' नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में एक वीडियो शेयर किया गया था जिसमें यौन कृत्यों में शामिल बच्चों को दिखाया गया था। इस ग्रुप को भी याचिकाकर्ता ने ही बनाया था और वही एडमिन थे। याचिकाकर्ता के अलावा दो अन्य भी एडमिन थे जिनमें से एक आरोपी था।

रूस-यूक्रेन संघर्ष: कच्चे तेल में लगी आग, पहली बार 100 डॉलर के पार पहुंचा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के सैन्य कार्रवाई के एलान के बाद जहां एक ओर दुनियाभर के शेयर बाजार धराशायी हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतों में भी आग लग गई है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड का भाव का भाव पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। 8 वर्षों में पहली बार ब्रेंट क्रूड का भाव इस रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है।

फैसला: नशे में पिता करता था दरिंदगी, मां ने भी साधी चुप्पी तो बेटियों ने उठाई आवाज, सजा भुगतेगा दोषी पिता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ की जिला अदालत ने बेटियों के साथ दरिंदगी के दोषी पिता को बुधवार को उम्रकैद की सजा और 1.20 लाख रुपये जुर्माना लगाया है। वहीं, मां को भी जुर्म छिपाने के दोष में 6 माह के कारावास की सजा सुनाई गई है। मां पिछले एक वर्ष से जेल में थी, इसे देखते हुए उसकी सजा को अंडरगोन कर दिया गया है। दो वर्ष पहले सेक्टर-31 थाना पुलिस ने बड़ी बेटी की शिकायत पर आईपीसी की धारा 323, 376(2) एफ 376(2) एन, 120 बी और प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट की धारा 6 व 21 के तहत मामला दर्ज किया था। एफआईआर के बाद दंपती को हिरासत में ले लिया गया था।

शराब के नशे में पिता अपनी दोनों बेटियों के साथ दरिंदगी करता था। बेटियों ने पूरी बात अपनी मां को बताई, लेकिन मां ने इसे नजरअंदाज कर दिया। इस संगीन जुर्म को छिपाने के मामले में मां को अदालत ने दोषी करार दिया था।

शेयर बाजार धराशायी: कुछ ही मिनटों में निवेशकों के आठ लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष ने नया मोड़ तब ले लिया जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने सैन्य अभियान की घोषणा कर दी। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी हुआ और गुरुवार को बाजार खुलने के साथ ही धराशायी हो गया। कुछ ही मिनटों के भीतर ही निवेशकों को लगभग आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। गौरतलब है कि बीते कारोबारी सत्र में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 255.68 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन गुरुवार को आई भारी गिरावट के कारण ये 248.09 लाख करोड़ रुपये से भी नीचे पर आ गिरा। फिलहाल, बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 1800 अंक टूटकर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं।

इंसानियत शर्मसार: निर्दयी मां ने एक दिन के बच्चे को जमीन में गाड़ा, रोने की आवाज सुनकर किसान ने बचाई जान

शिवपुरी (एजेंसी)। शिवपुरी में एक निर्दयी मां ने जो किया, उससे इंसानियत भी शर्मसार हो जाए। जन्म के कुछ ही घंटों बाद एक नवजात शिशु को जमीन में जिंदा गाड़कर मरने के लिए छोड़ने का मामला सामने आया है। पर नवजात की किस्मत अच्छी थी जो गड्ढा ज्यादा गहरा नहीं था। उसका रुदन एक किसान ने सुन लिया और नवजात को बचा लिया।

मामला शिवपुरी जिले की पोहरी तहसील के सरजापुर गांव का है। किसी ने एक दिन के नवजात शिशु को खेत की मेढ़ के पास गड्ढे में जिंदा ही दफ्ना दिया और उस पर पत्थर रख दिए। झाड़ियों से भी ढंक दिया, ताकि कोई उस तक पहुंच न सकें। गड्ढा ज्यादा गहरा नहीं था। जब नवजात ने रोना शुरू किया तो खेत में मवेशी चरा रहे एक किसान ने सुन लिया। जब किसान ने झाड़ियां और पत्थर हटाया तो वहां जमीन में नवजात को गड़ा देखकर वह भी कुछ पल के लिए स्तब्ध रह गया। नवजात जिंदा था, इसलिए किसान ने तुरंत डायल-100 पर कॉल कर नवजात के मिलने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नवजात को अस्पताल पहुंचाया। नवजात के सिर, घुटने व पंजे पर जख्म होने से उसे एसएनसीयू शिवपुरी में भर्ती कराया गया है।

बुधवार सुबह हुआ होगा जन्म

पुलिस नवजात के साथ ऐसा करने वालों को तलाश रही है। बच्चे का वजन 2.155 किलो है। डॉक्टर उसकी देखभाल कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे का जन्म बुधवार सुबह हुआ होगा। जिस खेत में वह मिला है, वह जंगल से सटा इलाका है। गड्ढा गहरा नहीं होने से बच्चे की सांस चलती रही और वह जिंदा बच गया।

मंत्रिमंडल में विस्तार को लेकर बोले-टीएस सिहंदेव एंटी इन्कमबेसी क्या होती है मैंने महसूस किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि परिवर्तन स्वाभाविक प्रक्रिया है। परिवर्तन होते रहता है और परिवर्तन होगा तो जरूर मंत्रिमंडल का विस्तारीकरण होगा। मंत्रिमंडल में विस्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने एंटी इन्कमबेसी पर कहा कि तीन साल के कार्यकाल में मैंने महसूस किया है कि इंटी इन्कमबेसी क्या होती है। मैं खुद भी महसूस कर रहा हूं कि मुझे अपने विधानसभा में जाना चाहिए।

स्वास्थ्य एवं पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव अंबिकापुर से रायपुर लौटते वक्त कुछ समय बिलासपुर में रुके। उन्होंने छतीसगढ़ भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम के बयान जनप्रतिनिधि व कांग्रेस नेता अपने क्षेत्र में नहीं जा रहे हैं और अपना काम नहीं कर रहे हैं। इस पर सिंहदेव ने कहा कि उसमें मेरी भी गिनती है, क्योंकि क्षेत्र की जनता की अपेक्षा के अनुरूप मैं उन तक नहीं पहुंच सका हूं। सिंहदेव ने कहा कि मेरा स्वयं का अनुभव है और मैं महसूस कर रहा हूं कि मुझे अपने विधानसभा में जाने की आवश्यकता है। कोरोनाकाल के दौरान मैं अपने क्षेत्र की जनता से दूर हो गया हूं।

विभाग का काम मेरी पहली प्राथमिकता

पिछले 3 सालों में शासन में मंत्री के रूप में काम करते हुए एंटी इन्कमबेसी क्या होती है। इसे मैं महसूस कर रहा हूँ। पहले मैं अपने विधानसभा के हर छोटे-बड़े कार्यक्रमों में शामिल हुआ करता था, लेकिन पिछले 3 सालों में कोरोना को छोड़ दें तो मैं नहीं पहुंच पा रहा हूँ। यदि अध्यक्ष मोहन मरकाम का विश्लेषण है कि विधायक उतना काम नहीं कर रहे हैं, तो मैं उन में खुद को गिन सकता हूं। मैं अपने विभाग में पूरी ईमानदारी से काम कर रहा हूं। सोते-जागते मुझे विभाग का ही ख्याल रहता है। मेरी पहली प्राथमिकता विभाग का काम करना होता है।

संपादकीय

चौथे चरण के बाद

उत्तर प्रदेश में चुनावी कारवां ने अपनी आधी से अधिक राह पार कर ली है। गोवा, उत्तराखंड, पंजाब वगैरह में तो विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी भी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में सात चरणों में मतदान होना था, इसलिए वहां यह प्रक्रिया अभी एक पखवाड़े तक और चलेगी। मणिपुर में अभी मतदान की प्रकिया नहीं शुरू हुई है। वहां दो चरणों में मतदान होना है, जिसका पहला चरण इस महीने के आखिरी दिन शुरू होगा। बुधवार को उत्तर प्रदेश के चौथे चरण के मतदान के साथ ही विधानसभा की आधी से अधिक सीटों के लिए उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज हो चुका है। चौथे चरण में प्रदेश के नौ जिलों की जिन 59 सीटों के लिए मतदान हुआ, इनमें से 50 सीटें पिछली बार भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई थीं। इसलिए भाजपा के सामने चुनौती इस बार इसी जमीन को बचाने की थी। जबकि विपक्ष को पता था कि अगर सत्ता के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करनी है, तो वह चौथा चरण ही है, जहां उसे सबसे बड़ा मौका मिला है। जब दांव इतने बड़े हों, तो राजनीतिक हलचल तेज होनी ही थी। हालांकि, राजनीतिक दलों की सक्रियता का जनता पर प्रभाव बहुत ज्यादा देखने में नहीं आ रहा है। यह लगातार दिखाई दे रहा है कि बहुत-सी जगहों पर मतदान का प्रतिशत पिछली बार से कम रहा है और जहां वह ज्यादा भी रहा है, वहां भी कोई अप्रत्याशित वृद्धि नहीं दिखाई दी है।

> “ अब जब तीसरी लहर उतार पर है, तो इनमें से बहुत सारी पाबंदियां हटा ली गई हैं। हालांकि, इससे एक गड़बड़ जरूर हुई है कि लोगों ने सावधानी बरतनी बंद कर दी है। लोग मास्क लगाने या सामाजिक दूरी का ध्यान रखने जैसी सावधानियां नहीं बरत रहे, इसे किसी भी दल की चुनावी रैली में देखा जा सकता है। पहले जैसी पाबंदियों की जरूरत भले ही न हो, लेकिन चुनाव आयोग को सावधानियों के लिए तो दबाव बनाना ही चाहिए।

चौथे चरण का मतदान जिन-जिन क्षेत्रों में हुआ है, वहां तक पहुंचते-पहुंचते इस विधानसभा चुनाव का नैरेटिव काफी बदल गया है। पहले चरण का चुनाव जहां से शुरू हुआ था, वहां से अब हम जहां पहुंच चुके हैं, वहां का भूगोल भी काफी अलग है और मुद्दे भी काफी बदल गए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अवध क्षेत्र तक पहुंचते-पहुंचते आबादी का राजनीतिक मिजाज काफी बदल जाता है। पहले चरण का मतदान जिस क्षेत्र में हुआ था, वह सीधे-सीधे किसान आंदोलन के प्रभाव वाला इलाका था। मगर अब जहां चुनाव हो रहे हैं, वहां यह प्रभाव तकरीबन नहीं ही है। चौथे चरण के पीलीभीत और लखीमपुर खीरी जिले ही इसका अपवाद हैं। लखीमपुर खीरी में तो एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना भी हो गई थी, जिसका इस चुनाव के नतीजों पर असर दिख सकता है। इन दो जिलों को छोड़ दें, तो बाकी जिन सात जिलों में मतदान हो रहा है, उनके रंग काफी अलग हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जहां कोई एक वोटर वर्ग बहुत ज्यादा प्रभावी नहीं है और इसी तथ्य ने यहां के चुनाव को काफी दिलचस्प बना दिया है।

एक और फर्क यह पड़ा है कि जब पहले चरण के चुनाव हो रहे थे, तब कोविड की तीसरी लहर की आशंका सभी को परेशान कर रही थी। खतरे को देखते हुए तमाम तरह की पाबंदियां थीं और बड़ी रैलियों पर तो पूरी तरह रोक ही थी। अब जब तीसरी लहर उतार पर है, तो इनमें से बहुत सारी पाबंदियां हटा ली गई हैं। हालांकि, इससे एक गड़बड़ जरूर हुई है कि लोगों ने सावधानी बरतनी बंद कर दी है। लोग मास्क लगाने या सामाजिक दूरी का ध्यान रखने जैसी सावधानियां नहीं बरत रहे, इसे किसी भी दल की चुनावी रैली में देखा जा सकता है। पहले जैसी पाबंदियों की जरूरत भले ही न हो, लेकिन चुनाव आयोग को सावधानियों के लिए तो दबाव बनाना ही चाहिए।

> “ राज्यों में नकद हस्तांतरण के वितरण से पता चला है कि आपातकालीन राहत पैकेज भारतीय समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच चुके हैं। कुल मिलाकर, करोड़ों किसान परिवार प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण से लाभान्वित हुए, जिसमें पूरी पारदर्शिता है। इतना बड़ा ये लाभ कम अवधि में समाज के कमजोर वर्गों के एक बड़े हिस्से को राहत प्रदान करता हैं। यह कोई मामूली बात नहीं, बल्कि इस ऐतिहासिक योजना के माध्यम से भारतीय कृषि और किसानों की प्रगति का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा जा रहा है।

किसान कल्याण का ध्येय-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

भारतीय कृषि का स्वर्णिम अध्याय लिख रही है पीएम-किसान स्कीम

नरेन्द्र सिंह तोमर

देश में किसान कल्याण का ध्येय रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज कृषि क्षेत्र के विकास की अहम धुरी बन चुकी है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का प्रमुख योगदान रहा है। हमारे देश की वित्तीय और सामाजिक बनावट में कृषि क्षेत्र का महत्व अलग ही प्रदर्शित होता है। देश की खाद्य सुरक्षा अनाज उत्पादन पर निर्भर करती है। इस दिशा में उपयोगीए विस्तारित और व्यावहारिक कृषि क्षेत्र त्वरित गति से विकसित होना चाहिएए इस संकल्पना को मोदी जी की सरकार ने साकार किया है।

अपने किसानों को जलवायु की चुनौती से बचाने के लिएए हमारा फोकस बैक टू बेसिक्स और भविष्य की ओर ले जाने का मिश्रण है। केंद्र सरकार का फोकस देश के 80 फीसदी से ज्यादा छोटे किसानों पर हैए जिन्हें सरकार की किसान हितैषी नीतियों की सबसे ज्यादा जरूरत है। यहीं वजह है कि पिछले सात साल से ज्यादा के मोदी सरकार के दो कार्यकाल में इन्हीं छोटे किसानों को केंद्र में रखकर नीतियां बनाकर योजनाओं और कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित किया गया है। हाल ही में संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2022-23 ने भी कृषि क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए जैविक खेती व डिजिटल कृषि प्रथाओं को अपनाने सहित कृषि क्षेत्र पर पर ध्यान केंद्रित किया है।

इस योजना के सकारात्मक परिणाम के साथए भारत सरकार को इसे क्रॉस.कंट्री वेंचर के रूप में निष्पादित करने की आवश्यकता थी और भारत के वर्ष 2019 के अंतरिम केंद्रीय बजट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अनूठी पहल की गई। देशभर में सभी भूमिधारक किसान परिवारों को राजस्व समर्थन देकर किसानों की सहायता का विस्तार करने के लिएए उन्हें कृषिए बागवानी और संबंधित क्षेत्र के साथ.साथ घरेलू आवश्यकताओं से जुड़ी लागतों के खर्च से निपटने के लिए सशक्त बनाने हेतु यह आवश्यक था।

किसान परिवारों के लिए पूरक आय सहायता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने 24 फरवरी 2019 को किसानों के कल्याण के लिए महत्वाकांक्षी योजना. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना का गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में एक करोड़ से अधिक किसानों कोए प्रत्येक लाभार्थी को दो-दो हजार रूपये की पहली किस्त हस्तांतरित करके शुभारंभ किया था। इसके सफल कार्यान्वयन के लिए इसे विश्व बैंक सहित विभिन्न संगठनों से अपार समर्थन मिला है।

पहले साल 2018-2019 के लिएए इस योजना के तहत 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। अब तक 11.30 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को राज्यध्संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से 100 प्रतिशत त्रुटि मुक्त, सत्यापित और वैध डेटा प्राप्त करने के बाद योजना का लाभ देते हुए कुल 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई है। कोविड अवधि के दौरान पीएम.किसान योजना के तहत किसानों को 1.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी गई है।

पीएम-किसान योजना को इसके आकारए तौर-तरीकों और तंत्र में निरंतर सुधार/परिवर्तन के साथ लागू किया गया है। लाभार्थियों को वित्तीय लाभ के सुचारू और त्वरित हस्तांतरण को सुनिश्चित करने के लिए समय.समय पर कई प्रक्रियात्मक परिवर्तन लागू किए गए हैं। स्थिति के अनुसारए योजना के संचालन दिशा-निर्देशों को भी समय-समय पर संशोधित किया जाता है, जिसमें सभी प्रमुख राज्यों ने अपने किसानों के कल्याण के लिए इस नेक काम में योगदान दिया था। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालयए भारत सरकार का लक्ष्य देश के प्रत्येक पात्र किसान परिवार को पीएम-किसान के तहत पंजीकृत कर शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को लाभार्थियों के पंजीकरण व भौतिक सत्यापन के लिए मंत्रालय द्वारा किए विश्लेषण के आधार पर संतृप्ति अभियान चलाने को कहा गया है।

योजना के तहत नामांकन के लिए किसान को राज्य सरकार द्वारा नामित स्थानीय पटवारी/राजस्व अधिकारी/नोडल अधिकारी (पीएम-किसान) से संपर्क करना होता है। इसके अलावा फार्मर्स कॉर्नर के वेब पोर्टल पर विशेष सुविधा दी गई है, जिससे किसान पंजीकरण करा सकते हैं। इससे किसान आधार कार्ड के अनुसार पीएम-किसान डाटाबेस में नाम संपादित कर सकते हैं व भुगतान की स्थिति जान सकते हैं। लाभार्थियों का ग्रामवार विवरण फार्मर्स कॉर्नर पर उपलब्ध है। सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) को मामूली शुल्क पर किसानों को योजना के लिए पंजीकृत करने हेतु अधिकृत किया गया है। पीएम-किसान एप भी है, जिसे अब तक 60 लाख से अधिक ने डाउनलोड किया है। इससे किसान नामांकन करा सकते है व आधार डिटेल सही कर सकते हैद्य इसमें हेल्प डेस्क सुविधा भी प्रदान की गई है, जिससे किसान समस्या दर्ज करा सकते हैद्य ये सुविधाएं CSC VLEs के जरिये भी उपलब्ध हैं। अब तक लगभग 1 करोड़ किसानों का नामांकन, 10.83 लाख की समस्याओं का निदान व 1.34 करोड़ किसानों के आधार डिटेल में सुधार इसके माध्यम से हो चुका है। PM-KISAN 24x7 हेल्प लाइन 155261 में संपर्क कर किसान क़िस्त हस्तांतरण की जानकारी ले सकते हैं।

PM-KISAN सिस्टम को थर्ड पार्टी इंटिग्रेशन द्वारा UIDAI इनकम टैक्स एंड पेंशनर डाटाबेस से जोड़ा गया हैद्य इससे अपात्र व्यक्तियों की पहचान करकेए लाभार्थियों की सूची से हटाया जाता हैद्य इससे सही एवं कुशल सेवा वितरण में सहायता प्राप्त होती है। PM-KISAN लाभार्थियों ने कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से आधुनिक तकनीकों को 36 प्रतिशत अधिक अपनायाए जिसका अर्थ है कि PM-KISAN की उपस्थिति KVK पर आवर्धन प्रभाव डालती है। यह पुष्टि करता है कि KVK के माध्यम से आधुनिक तकनीकों को अपनाने को प्रोत्साहित करने में PM-KISAN की महत्वपूर्ण भूमिका हैए जो बदले में किसानों को कृषि क्षेत्र में उत्पादक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने का मार्ग प्रदान करती है।

कोविड महामारी के दौरान जहां एक ओर देश-दुनिया के बाकी सारे काम ठप पड़ गए थे, वहीं दूसरी तरफ हमारे किसान भाइयों-बहनों के अथक परिश्रम व सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण भारत के सकल घरेलू उत्पादन में कृषि क्षेत्र ने सकारात्मक प्रदर्शन किया। इस दौरान पीएम-किसान के तहत नकद हस्तांतरण प्राप्त करके किसानों को बीज, उर्वरक आदि आदान के लिए सहायता हुई ।

कई राज्यों के लाभार्थियों से सीधे बातचीत में यह जाहिर हुआ है कि पीएम किसान ने स्कीम किस तरह से किसान परिवारों को काफी लाभान्वित किया है। किसान, भारत सरकार की इस प्रतिष्ठित योजना को खुले दिल से सराह रहे हैं। तीन किस्तों में दिया जाने वाला भारत सरकार का यह लाभ न केवल किसानों और उनके परिवार को आर्थिक रूप से मदद करता है बल्कि उन्हें अपने खेतों में सकारात्मक तरीके से काम करने की प्रेरणा भी देता है। पीएम किसान से समय पर मिलने वाले लाभ से न केवल उन्हें समय पर खेती करने में मदद मिलती है बल्कि समय पर उपज बाजार में बेचकर उचित दाम प्राप्त करने में मदद मिलती है। साथ ही, उधारदाताओं से उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेने से बचने में मदद मिलती है।

पीएम-किसान का महत्व यह है कि पहली बार मूल्य नीति (इनपुट या आउटपुट) का उपयोग किए बिना किसानों को सीधे आय हस्तांतरित करने का प्रयास किया गया है। यह छोटे और सीमांत किसानों को सहायता प्रदान करता है, जो बड़े पैमाने पर निर्वाह खेती में शामिल हैं और कृषि इनपुट या प्रौद्योगिकी में निवेश करने के लिए संघर्ष करते हैं। यह व्यापक ग्रामीण विकास एजेंडा के लिए एक महत्वपूर्ण पूरक के रूप में काम कर सकता है, जिसमें कृषि पर ध्यान केंद्रित करने वाली गरीब-समर्थक विकास रणनीति शामिल है।

राज्यों में नकद हस्तांतरण के वितरण से पता चला है कि आपातकालीन राहत पैकेज भारतीय समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच चुके हैं। कुल मिलाकर, करोड़ों किसान परिवार प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण से लाभान्वित हुए, जिसमें पूरी पारदर्शिता है। इतना बड़ा ये लाभ कम अवधि में समाज के कमजोर वर्गों के एक बड़े हिस्से को राहत प्रदान करता हैं। यह कोई मामूली बात नहीं, बल्कि इस ऐतिहासिक योजना के माध्यम से भारतीय कृषि और किसानों की प्रगति का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा जा रहा है।

लेखक-नरेंद्र सिंह तोमर,
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

हमने सीखा सब ज्ञान, अनुभव भी
लिया जिंदगी का,
पर मौन की कला से
अछूते रहें हम आज तक।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

सभी स्कूलों में बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय की हो व्यवस्था - मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी स्कूलों में बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने कलेक्टरों से अपेक्षा की है कि 15 जून से प्रारंभ होने वाले शिक्षा सत्र के पूर्व सभी पंचायतों में कम से कम एक विद्यालय में और नगरीय निकायों में प्रत्येक वार्ड में एक से कम एक विद्यालय में यह व्यवस्था पूर्ण कर ली जाए। मुख्य सचिव ने इस संबंध में कलेक्टरों को एक कार्य योजना बनाकर समय-सीमा में कार्य को पूर्ण करने और की गई कार्य से अवगत कराने को कहा है। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि शासन द्वारा लम्बे समय से इस बात का प्रयास किया जा रहा है कि सभी स्कूलों में बालक एवं बालिकाओं के लिए पृथक से स्वच्छ शौचालय उपलब्ध हो तथा सभी स्कूलों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो। समग्र शिक्षा के अंतर्गत 15वें वित्त आयोग, संचालनालय लोक शिक्षण द्वारा प्रदत्त राशि, पंचायत एवं नगरीय निकायों में उपलब्ध अन्य राशियों एवं डीएमएफके माध्यम से भी यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कलेक्टरों से कहा है कि जिले के सभी स्कूलों में बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। इसी प्रकार स्कूलों में स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था भी की जाए। शौचालय बालकों एवं बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक बनाया जाए। कई स्थानों पर शौचालय पूर्व से बने हुए हैं, जिनका रेनोवेशन किया जा सकता है। कुछ स्थानों पर नये शौचालयों के निर्माण की आवश्यकता भी होगी। कलेक्टरों से कहा गया है कि शौचालय में रनिंग वाटर की सुविधा, ड्रेनेज की उत्तम व्यवस्था और टॉयलेट की नियमित सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्कूलों में निर्मित कराए शौचालयों का नियमित उपयोग हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर मिली एक और उपलब्धि

एनक्लियर और टेली प्रेक्टिस एप्प के उपयोग के लिए मिला डिजिटल टेक्नॉलाजी सभा-2022 अवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शैक्षणिक गतिविधियों को तकनीक के माध्यम से सहज बनाने के लिए राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि हासिल हुई है। इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग को डिजिटल टेक्नॉलाजी सभा-2022 अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड स्कूली बच्चों के शैक्षणिक आंकलन के लिए एनआईसी के सहयोग से विकसित एनक्लियर एप्प तथा टेली प्रेक्टिस एप्प के उपयोग लिए दिया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा उपयोग में लाए जा रहे उक्त दोनों एप्प के माध्यम से स्कूली बच्चों सहजता से आंकलन एवं मॉनिटरिंग की जा सकती है।

एनक्लियर और टेली प्रेक्टिस एप्प के उपयोग के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को मिला डिजिटल टेक्नॉलाजी सभा-2022 अवार्ड

यहां उल्लेखीय है कि कोरोना संकटकाल के दौरान शिक्षा में नवाचार एवं डिजिटल टेक्नॉलाजी के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग ने पूरे देश में अपनी एक पहचान कायम की है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना संकटकाल के दौरान स्कूली बच्चों को घर बैठे शिक्षा उपलब्ध कराने की तकनीक को देश ने सराहा है। पढई तुंहर दुआर को इस हेतु राष्ट्रीय स्तर पर

पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इसी कड़ी में आज स्कूल शिक्षा विभाग को इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा आयोजित डिजिटल टेक्नॉलाजी सभा अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड राज्य में एक वर्चुअल सम्मेलन में एन.आई.सी. के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री. ए.के. सोमशेखर द्वारा उनकी टीम की उपस्थिति में ग्रहण किया गया। यह पूरा कार्य प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग डॉ. आलोक शुक्ला और सचिव स्कूल शिक्षा विभाग डॉ. कमलप्रीत सिंह के मार्गदर्शन में किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में दो आंकलन टूल एनक्लियर एवं टेली-प्रेक्टिस एप्प की शुरुआत की गई। इनमे से एक टूल एनक्लियर में बच्चों को उनके आईडी के साथ एक क्यूआरकोड कार्ड दिया जाता है, जिसका सालभर का 40 विद्यार्थियों पर व्यय मात्र 20 रूपए आता है। बच्चों को इस कार्ड को अपने पास सुरक्षित रखना होता है। एनक्लियर एप्प का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कक्षा में शिक्षकों द्वारा बहुविकल्पीय प्रश्न पूछने पर बच्चों को सही उत्तर के आधार पर कार्ड को एक विशेष दिशा में पकड़कर प्रदर्शित करना होता है। शिक्षक द्वारा अपने मोबाइल कैमरे से कक्षा में एक जगह से सभी बच्चों के कार्ड को दूर से ही स्केन कर लिया जाता है। स्केन करते ही विद्यार्थियों का अपने आप आकलन हो जाता है और प्रश्नवार, विद्यार्थीवार रिपोर्ट शिक्षक एवं विभिन्न स्तरों पर देखी जा सकती है। इसमें शिक्षकों को प्रत्येक प्रश्न के उत्तर को जांचने एवं अंक देने के झंझट से मुक्ति मिलती है।

इस तरह विद्यार्थियों के आकलन का दूसरा एप्प जिसे एनआईसी ने विकसित किया है, वह है-टेली-प्रेक्टिस। इसके माध्यम से बच्चों के साथ मौखिक क्विज का आयोजन किया जा सकता है। इसके लिए टेलीग्राम ग्रुप में विद्यार्थियों को जोड़कर पायथोन नामक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को वोयस मैसेज भेजकर और स्क्रीन पर चित्र एवं लिखित प्रश्न भेजा जाता है। इन प्रश्नों के मौखिक जवाब विद्यार्थियों द्वारा दिया जाता है। जिसे इस कार्यकम में एक साथ के विद्यार्थियों के उत्तरों को एक फिल्म के रूप में व्यक्तिगत विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों एवं पालकों द्वारा देखा जा सकता है।

शिक्षक विद्यार्थीवार वीडियो देखकर प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के आधार पर अंक दे सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से एक साथ बहुत से विद्यार्थियों से सवाल करते हुए उनसे एक ही समय में उतर देने का प्रावधान होने से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों दोनों का समय बचता है। शिक्षकों को प्रत्येक विद्यार्थी की स्थिति की जांच करने में भी आसानी होती है और समय बचता है। इस प्रकार के आकलन के सप्रमाण होने से गलत आंकलन की संभावनाओं से भी बचा जा सकता है। प्रत्येक विद्यार्थी को उनके उत्तरों के आधार पर उनका अपना वीडियो प्रश्न और उत्तर के साथ देखने का अवसर मिलता है। इन सबसे शिक्षकों का कार्य बहुत आसान हो जाता है।

दोनों एप्प को शिक्षा विभाग के लिए विकसित करने का कार्य एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी संचालक श्री सोम शेखर के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा किया गया है। अवार्ड वितरण के अवसर पर छत्तीसगढ़ एनआईसी के राज्य सूचना अधिकारी डॉ. ए. के. होता, एन.आई.सी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री. ए.के. सोमशेखर, सहायक संचालक समग्र शिक्षा डॉ. एम. सुधीश एवं वैज्ञानिक-'बी', एन.आई.सी श्रीमती ललिता वर्मा उपस्थित थीं।

नरवा विकास : वन क्षेत्रों में 30-40 मॉडल के 1.67 लाख संरचनाओं का निर्माण जारी

अनउपजाऊ तथा बंजर भूमि में 30-40 मॉडल है काफी फायदेमंद: वन मंत्री अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत विगत 3 वर्षों के दौरान वनांचल में स्वीकृत 30-40 मॉडल के एक लाख 66 हजार 809 संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर है। इनमें से अब तक पूर्ण हुए लगभग 01 लाख संरचनाओं से वनांचल के 4 हजार एकड़ भूमि का उपचार हो चुका है। इसके तहत 30-40 मॉडल के समस्त 1.67 लाख संरचनाओं के निर्माण से वनांचल के लगभग 7 हजार एकड़ अनउपजाऊ तथा बंजर भूमि को उपचार का लाभ मिलेगा।

नरवा विकास कार्यक्रम में कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2019-20 के अंतर्गत 30-40 मॉडल में कुल स्वीकृत 56126 संरचनाओं में से अब तक समस्त 56126 संरचनाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इसी तरह वार्षिक कार्ययोजना 2020-21 के अंतर्गत 30-40 मॉडल में कुल स्वीकृत 58 हजार 119 संरचनाओं में से अब तक 37 हजार 697 संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। इसके अलावा कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के अंतर्गत 30-40 मॉडल में कुल स्वीकृत 52 हजार 564 संरचनाओं में से अब तक 2 हजार 749 संरचनाओं का

निर्माण पूर्ण हो चुका है।

नरवा विकास योजना में इसकी उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि यह संरचना वनांचल के लिए काफी उपयोगी है। इसके मद्देनजर उन्होंने राज्य के वनांचल स्थित उभरे भागों अथवा ढलान क्षेत्रों में 30-40 मॉडल के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से शामिल करने के निर्देश दिए है। गौरतलब है कि नरवा विकास योजना के तहत बनाए जा रहे 30-40 मॉडल के बारे में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वनबल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी तथा कैम्पा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व्ही. निवास राव ने बताया कि वनांचल के जिन क्षेत्रों में मिट्टी की गहराई 0.60 मीटर तथा मुरमी मिट्टी, हल्की पथरीली भूमि, अनउपजाऊ भूमि, छोटे झाड़ों के वन और बंजर भूमि में यह मॉडल बहुत उपयुक्त है। इसके निर्माण से कुछ दिनों के पश्चात् उक्त क्षेत्रों की भूमि उपजाऊ होने लगती है। 30-40 मॉडल में वर्षा जल को छोटे-छोटे चौकोर आकार मेड़ों के माध्यम से एक 1.20 ग् 1.40 ग् 0.90 मीटर के गड्ढे में भरते हैं।

हाफ बिजली बिल योजना : 40 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मिली 2145 करोड़ रुपए की छूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की हाफ बिजली बिल योजना प्रदेश के लाखों घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस योजना को लागू कर ना सिर्फ महंगाई के दौर में लाखों घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाई है, अपितु जनता से किया गया एक बड़ा वायदा भी पूरा किया है। छत्तीसगढ़ के हर गांव, हर शहर में लोगों को इस योजना का सीधा लाभ मिल रहा है। पहले 1 माह का जो बिजली बिल 1000 से 1200 रुपए तक आता था, वह बिल अब उतनी ही बिजली की खपत के लिए 500 से 600 रुपए तक आ रहा है। इससे लोगों के बिजली पर होने वाले खर्च में कमी आई और वे बचत राशि का उपयोग अपनी दूसरी जरूरतों को पूरा करने में कर रहे हैं।

स्पॉट बिलिंग मशीन

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा 1 मार्च 2019 से लागू की गई हाफ बिजली बिल योजना में बिजली उपभोक्ताओं को 400

यूनिट तक की बिजली की खपत पर 50 प्रतिशत की छूट मिल रही है। इस योजना का लाभ लेने के लिए यह जरूरी है कि बिजली उपभोक्ताओं का कोई भी बिल लंबित ना हो, उन्होंने अपने पुराने बिजली बिल चुका दिए हों। हाफ बिजली बिल योजना से प्रदेश के 40 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को उनके बिजली बिल में 2145 करोड़ रुपए की बड़ी छूट मिली है। सस्ती बिजली से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के घर का बजट सुधरा है। इस योजना के माध्यम से जहां घरेलू बचत को प्रोत्साहन मिला है, वहीं यह भी सुनिश्चित हुआ है कि लोग अपने बिजली बिल का नियमित भुगतान करें। बिल की राशि जमा नहीं करने वाले योजना का लाभ लेने से वंचित रह जाएंगे।

योजना के क्रियान्वयन के लिए घरों में मीटर रीडिंग कर उपभोक्ताओं को बिजली बिल देने में उपयोग में लाई जा रही स्पॉट बिलिंग मशीन के सॉफ्टवेयर को हाफ बिजली बिल योजना के अनुसार अपडेट किया गया है। मशीन 400 यूनिट तक बिजली की हर खपत के लिए स्वचालित रूप से 50 प्रतिशत छूट के साथ बिजली बिल जनरेट करती है। राज्य सरकार द्वारा हाफ बिजली बिल योजना के अलावा एकल बत्ती कनेक्शन योजना में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को हर माह 30 यूनिट बिजली नि:शुल्क दी जा रही है। लगभग 18 लाख बिजली उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में 2 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ता बढ़े हैं।

घरेलू बिजली उपभोक्ता इस योजना को लागू करने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं। महासमुंद के श्री अनिल चौधरी इस योजना को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल को धन्यवाद देते हुए कहते हैं कि पहले जो बिजली बिल 1000 से 1200 रुपए आता था, वह सिमट कर 500 से 700 रूपए रह गया है। महासमुंद के ही बिजली उपभोक्ता श्री चमन चंद्राकर बताते हैं कि उन्हें बिजली बिल हाफ योजना का लाभ मिल रहा है, इससे उन्हें आर्थिक रूप से राहत मिली है। रायपुर की सीनू योजना के लिए सरकार के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहती हैं कि योजना से मिली छूट से राहत मिली है। रायपुर के श्री राकेश साहू भी राज्य सरकार को धन्यवाद देते नहीं थकते।

16 लाख 35 हजार 720 हेक्टेयर में हो चुकी रबी फसलों की बोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में विभिन्न प्रकार की रबी फसलों की 16 लाख 35 हजार 720 हेक्टेयर में बुआई हो चुकी है, जो कि इस साल रबी सीजन के लिए निर्धारित लक्ष्य का 88 प्रतिशत है। इस साल 18 लाख 50 हजार हेक्टेयर रकबे में रबी फसल की बोनी का लक्ष्य निर्धारित है। रबी सीजन के अंतर्गत 21 फरवरी तक अनाज की बोनी 4 लाख 40 हजार 470 हेक्टेयर में, दलहन की बोनी 7 लाख 88 हजार 390 हेक्टेयर में तथा तिलहन की बोनी 2 लाख 14 हजार 20 हेक्टेयर में हो चुकी है।

कृषि विभाग के अपर संचालक श्री एस.सी. पदम ने बताया है कि अब तक राज्य में 2 लाख 25 हजार 420 हेक्टेयर में गेहूं, 93 हजार 10 हेक्टेयर में मक्का, 8 हजार 420 हेक्टेयर में जौ-ज्वार एवं अन्य फसलें तथा 1 लाख 1 हजार 430 हेक्टेयर में मोटे अनाज की बोनी पूरी कर ली गई है।

इस तरह दलहनी फसलों की बुआई 7 लाख 88 हजार 390 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें चना की 3 लाख 85 हजार 980 हेक्टेयर में, मटर की 47 हजार 170 हेक्टेयर में, मसूर की 31 हजार 250 हेक्टेयर में, मूंग

की 17 हजार 680 हेक्टेयर में, उड़द की 12 हजार 790 हेक्टेयर में, तिवड़ा की 2 लाख 65 हजार 520 हेक्टेयर में, कुल्थी की 21 हजार 790 हेक्टेयर में तथा अन्य दलहन फसलों की 6 हजार 690 हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है, जोकि दलहन फसलों की बोनी के लिए निर्धारित लक्ष्य का 90 प्रतिशत है। इसी प्रकार राज्य में 21 फरवरी की स्थिति में तिलहनी फसलों की बुआई 2 लाख 14 हजार 20 हेक्टेयर में हो चुकी है, जिसके अंतर्गत अलसी की बुआई 40 हजार 110 हेक्टेयर में, राई सरसों की 1 लाख 45 हजार 300 हेक्टेयर में, तिल की 1260 हेक्टेयर में, सूरजमुखी 3130 हेक्टेयर, कुसुम की 5540, मूंगफली की 18,220 तथा अन्य तिलहनी फसल की बोनी 460 हेक्टेयर में पूरी हो चुकी है, जो कि तिलहन फसलों की बोनी के लक्ष्य का 71 प्रतिशत है। राज्य में गन्ने की बुआई 30 हजार 40 तथा साग-सब्जी की 1 लाख 62 हजार 800 हेक्टेयर में बुआई की जा चुकी है।

खास खबर

16 लाख 35 हजार 720 हेक्टेयर में हो चुकी रबी फसलों की बोनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में विभिन्न प्रकार की रबी फसलों की 16 लाख 35 हजार 720 हेक्टेयर में बुआई हो चुकी है, जो कि इस साल रबी सीजन के लिए निर्धारित लक्ष्य का 88 प्रतिशत है। इस साल 18 लाख 50 हजार हेक्टेयर रकबे में रबी फसल की बोनी का लक्ष्य निर्धारित है। रबी सीजन के अंतर्गत 21 फरवरी तक अनाज की बोनी 4 लाख 40 हजार 470 हेक्टेयर में, दलहन की बोनी 7 लाख 88 हजार 390 हेक्टेयर में तथा तिलहन की बोनी 2 लाख 14 हजार 20 हेक्टेयर में हो चुकी है। कृषि विभाग के अपर संचालक एससी पदम ने बताया है कि अब तक राज्य में 2 लाख 25 हजार 420 हेक्टेयर में गेहूं, 93 हजार 10 हेक्टेयर में मक्का, 8 हजार 420 हेक्टेयर में जौ-ज्वार एवं अन्य फसलें तथा 1 लाख 1 हजार 430 हेक्टेयर में मोटे अनाज की बोनी पूरी कर ली गई है। इस तरह दलहनी फसलों की बुआई 7 लाख 88 हजार 390 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें चना की 3 लाख 85 हजार 980 हेक्टेयर में, मटर की 47 हजार 170 हेक्टेयर में, मसूर की 31 हजार 250 हेक्टेयर में, मूंग की 17 हजार 680 हेक्टेयर में, उड़द की 12 हजार 790 हेक्टेयर में, तिवड़ा की 2 लाख 65 हजार 520 हेक्टेयर में, कुल्थी की 21 हजार 790 हेक्टेयर में तथा अन्य दलहन फसलों की 6 हजार 690 हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है, जोकि दलहन फसलों की बोनी के लिए निर्धारित लक्ष्य का 90 प्रतिशत है। इसी प्रकार राज्य में 21 फरवरी की स्थिति में तिलहनी फसलों की बुआई 2 लाख 14 हजार 20 हेक्टेयर में हो चुकी है, जिसके अंतर्गत अलसी की बुआई 40 हजार 110 हेक्टेयर में, राई सरसों की 1 लाख 45 हजार 300 हेक्टेयर में, तिल की 1260 हेक्टेयर में, सूरजमुखी 3130 हेक्टेयर, कुसुम की 5540, मूंगफली की 18,220 तथा अन्य तिलहनी फसल की बोनी 460 हेक्टेयर में पूरी हो चुकी है, जो कि तिलहन फसलों की बोनी के लक्ष्य का 71 प्रतिशत है।

विद्यार्थियों के हित के मद्देनजर गर्मी की छुट्टी में कटौती

रायपुर। शिक्षा विभाग ने गर्मी की छुट्टी में कटौती किए जाने के फैसले को छात्रों के हित में बताया है। विभाग का कहना है कि इस निर्णय से सामान्य तौर पर पालक और छात्र खुश हैं। शिक्षा विभाग ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण काफी लम्बे समय से स्कूलों की पढ़ाई अव्यवस्थित रही है, जिसके कारण छात्रों के अधिगम की हानि (लर्निंग लास) हुआ है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए छात्रहित के अनुरूप गर्मियों की छुट्टियों को कम किया गया है, जिससे सामान्य तौर पर पालक और बच्चे प्रसन्न है। इस दौरान शिक्षक अधिगम की हानि (लर्निंग लास) को ध्यान में रखते हुए बच्चों को अध्यापन करायेंगे, जिससे उनका स्तर समरूप हो पायेगा, ताकि वे अगली कक्षा में पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ भाग ले सकेंगे। इस दौरान छात्रों की उपस्थिति शत् प्रतिशत करने की कोशिश की जायेगी, परन्तु अनिवार्य नहीं किया जायेगा। स्कूलों की समय सारिणी को मौसम के अनुरूप तैयार किया जायेगा, जिससे अनावश्यक परेशानी नहीं होगी। यह निर्णय छात्रहित को ध्यान में रखकर लिया गया है।

राज्य में पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला में अध्ययनरत कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान लागू होने के कारण किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाता है। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार केवल शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों से विभिन्न मद में शासन द्वारा निर्धारित राशि स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए ली जाती है। यह फीस अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ली जा रही है, जो स्कूल संचालन की गतिविधियों में सहयोगात्मक सहयोग के रूप में है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के बच्चों से शैक्षणिक शुल्क नहीं लिया जाता है, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल शासन की विशेष योजना के तहत प्रारंभ किए गए हैं। जिससे इनमें फीस की छूट विशेष तौर पर प्रदाय की गई है।

नशे से समाज को बचाने सामूहिक प्रयत्न की जरूरतः अनिला भेंड़िया

समाज कल्याण मंत्री ने नोडल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंड़िया ने आज रायपुर के माना कैम्प में भारत माता वाहिनी योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ शराब व्यसन मुक्ति अभियान के लिए आयोजित नोडल अधिकारियों की प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का शुभारंभ किया।

समाज कल्याण मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि व्यसन शरीर के साथ परिवार और अगली पीढ़ी को भी नुकसान पहुंचाता है। लोगों को नशे से दूर रखने के लिए उनकी पारिवारिक स्थिति और मन: स्थिति को सुधारने के लिए काम करना होगा। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों को नशे से दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी जिलों में तैयार की जा रही भारत वाहिनी और नोडल अधिकारियों को इस दिशा में तेजी से काम करना होगा। जिससे निश्चित ही आने वाले दिनों में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

उल्लेखनीय है कि नशापान करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए छत्तीसगढ़ शराब व्यसन मुक्ति अभियान (भारत माता वाहिनी योजना) के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत और आश्रित गांव में 8 सदस्यीय समूह भारत माता वाहिनी के रूप में तैयार किया जा रहा है। प्रथम चरण में हर जनपद पंचायत की 10 पंचायतों में 10 वाहिनी के मान से 1400 से अधिक भारत माता वाहिनी तैयार की जा रही है। इनके माध्यम से गांव-गांव में नशे की सामाजिक बुराई के विरूद्ध सकारात्मक वातावरण बनाने का प्रयास किया जाएगा। हर जिले में नशा पीड़ितों के लिए 15 बिस्तरों का नशामुक्ति केन्द्र संचालित करने की योजना है।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि नशापान व्यक्तिगत नहीं सामाजिक समस्या है। ज्यादा नशा करने से कई प्रकार की बीमारियां होती है। नशे में मानसिक नियंत्रण न होने से आपराधिक प्रवृत्तियां भी बढ़ती है। इस समस्या से राज्य और देश को बचाने के लिए सभी को सामूहिक रूप से प्रयत्न करना है, इसकी शुरूआत गांवों और पंचायतों से करना होगा।

समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों ने अभियान की सफलता के लिए विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों को मार्गदर्शन देने के साथ योजना के संबंध में विस्तार से बताया। विभागीय उप सचिव राजेश तिवारी ने बताया कि नशा मुक्त समाज बनाने के लिए इसके कारणों की जड़ को ढूंढकर समस्या का समाधान करना होगा। इसके लिए डाटा कलेक्शन, एनालिसिस और उसके आधार पर एक्शन प्लान तैयार करना होगा। पंचायती राज संस्थाओं और भारत माता वाहिनी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, अवैध शराब रोकना और सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई नशे के विरूद्ध है, न कि नशापान करने वाले के विरूद्ध। प्रशिक्षण में भारत माता वाहिनी योजना हेतु विभिन्न विभागों और जिलों के नियुक्त नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

हेल्थ सेक्टर में खुले करियर के द्वार, स्वास्थ्य विभाग में 910 पदों पर होगी भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा शहरी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में 910 पदों पर संविदा भर्ती की जाएगी। इनमें चिकित्सा अधिकारी के साथ ही स्टॉफ नर्स, पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जूनियर सेक्रेट्रियल असिस्टेंट एवं चतुर्थ श्रेणी के पद शामिल हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा राज्य स्तर पर 182 चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की जाएगी। वहीं 16 जिलों में जिला स्तर पर स्टॉफ नर्स, पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जूनियर सेक्रेट्रियल असिस्टेंट एवं चतुर्थ श्रेणी के कुल 728 पदों पर भर्ती होगी।

चिकित्सा अधिकारी (संविदा) की भर्ती के लिए एमबीबीएस की उपाधि या भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष उपाधि (समकक्ष उपाधि में केवल एलोपैथी पद्धति की उपाधि ही मान्य होगी) की योग्यता रखी गई है। इसके लिए 25 फरवरी से 15 मार्च 2022 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। किसी अन्य माध्यम से आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। विज्ञापन तिथि तक अभ्यर्थी की सभी शैक्षणिक एवं अन्य अर्हताएं पूर्ण होना अनिवार्य है, अन्यथा आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा। इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सभी प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन में संलग्न करना अनिवार्य है। इसके बिना आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदक की उम्र 1 जनवरी 2022 को न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 70 वर्ष होना चाहिए। आयु की गणना 1 जनवरी 2022 को आधार मानकर की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट www.cghealth.nic.in पर विज्ञापन का प्रारूप एवं भर्ती संबंधी अन्य जानकारियां देखी जा सकती हैं।

मार्च के आखिर में बदलेगा उड़ानों का समय, गर्मी के हिसाब से बनाया जा रहा नया शेड्यूल

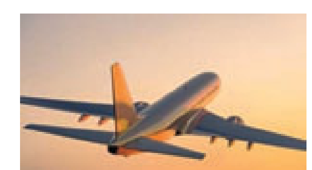

रायपुर (ए)। प्रदेश में अब ठंड समाप्ति की ओर अग्रसर है, वहीं दिन के बढ़ते तापमान के साथ गर्मी का एहसास होने लगा है। आने वाले दिनों में बढ़ती गर्मी का असर हवाई उड़ानों में भी देखने को मिलेगा। इसके लिए तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि 27 या 28 मार्च से उड़ानों का नया शेड्यूल शुरू हो जाएगा। नया शेड्यूल शुरू होते ही सभी उड़ानें अपने नए समय पर उड़ान भरेंगी। विमानन अधिकारियों ने बताया कि इन दिनों उड़ानों के नए शेड्यूल बनाना शुरू कर दिए है। ठंड की अपेक्षा गर्मी के दिनों में उड़ानों के आने-जाने के समय में आधा घंटे से पौन घंटे तक का अंतर रहता है। विमानों का शेड्यूल इस तरह से तैयार किया जाता है कि गर्मियों में सफर के दौरान यात्रियों को भी राहत मिले।

शुरू होगी भोपाल व भुवनेश्वर उड़ान

ट्रैवल्स कारोबारियों का कहना है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण के चलते रायपुर से उड़ान भरने वाली भोपाल व भुवनेश्वर फ्लाइट बंद हो गई है। अब कोरोना संक्रमण काफी कम हो गया है और यात्रियों की आवाजाही भी बढ़ने लगी है। ऐसे में अगले महीने से भोपाल और भुवनेश्वर उड़ान शुरू हो सकता है। इसके साथ ही रायपुर से जयपुर फ्लाइट भी शुरू होने की संभावना है। इसके लिए ट्रैवल्स कारोबारियों ने विमानन कंपनियों के पास प्रस्ताव भी भेज दिए है। ट्रैवल्स कारोबारी कीर्ति व्यास ने बताया कि भोपाल और भुवनेश्वर उड़ान तो जल्द शुरू होना चाहिए। इसकी मांग भी अब बढ़ गई है।

स्वावलंबन की राह में स्व-सहायता समूह अमलडीहा की महिलाएं

सब्जी उत्पादन से बढ़ा रही हैं आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है और जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य में सुराजी गांव योजना को भी लागू किया गया है, जिसके उत्साहजनक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक जगृति की मिशाल बनकर उभरी है। सुराजी गांव योजना के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर होने की राह मिली है। स्वावलंबन की राह में आगे बढ़ती महिलाओं में बेमेतरा जिले के ग्राम अमलडीहा की स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं एक बानगी हैं।

गौरतलब है कि सुराजी गांव योजना के अंतर्गत राज्य सरकार ने नरवा, गरुवा, घुरवा, बाड़ी कार्यक्रम की शुरुआत की है। इसी क्रम में गौठान को रुरल इंडस्ट्री के रूप में विकसित किया जा रहा है। जहां गोबर से कई तरह के उत्पाद का निर्माण किया जा रहा है। बेमेतरा जिले के ग्राम पंचायत अमलडीहा में सरपंच कुंती देवी के परिश्रम से ग्रामीण महिलाओं के स्व-सहायता समूह को रोजगार का साधन मिल पाया है। यहां रोशनी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने "जहाँ चाह, वहां राह" उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है। रोशनी स्व-सहायता समूह द्वारा वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण किया जा रहा है जिसका विक्रय कर महिला स्व-सहायता समूह को अब तक लाखों रुपए की आमदनी हो चुकी है।

दूसरी ओर रोशनी स्व-सहायता समूह की सदस्य चारागाह में आबंटित 2 एकड़ में हल्दी और अदरक का उत्पादन कर रही हैं। वहीं किरण एवं बुढ़ादेव स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा चारागाह में एक-एक एकड़ में सब्जी उत्पादन किया जा रहा है। लॉकडाउन की अवधि में इन्हें रोजगार का साधन मिला साथ ही ग्रामीणों के स्थानीय स्तर पर सब्जी-भाजी की उपलब्धता हुई। इसके अलावा भी यहां कई अन्य गतिविधियां गौठान में प्रस्तावित हैं। यहां मत्स्य पालन के लिए तालाब का निर्माण किया जा चुका है। मुर्गी पालन के लिए तालाब के ऊपर ही शेड बनाया गया है। बकरी पालन हेतु गौठान में शेड का निर्माण किया जा रहा है। फूल एवं दलहन फसलों के खेती की तैयारी की जा रही है।

'रूरल इंडस्ट्रियल पार्क' के रूप में विकसित हो रहे छत्तीसगढ़ के गौठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ड्रीम प्रोजेक्ट सुराजी गांव योजना के तहत गांव-गांव में स्थापित गौठान रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के जीवंत केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। जहां संचालित गतिविधियों से ग्रामीणों को उनके गांव में ही रोजगार मिल रहा है और उनसे उन्हें अच्छी आमदनी भी हो रही है।

मवेशियों के डे केयर सेंटर के रूप में बनाए गए गौठानों में ग्रामीणों और स्वसहायता समूहों को ग्रामीण परिवेश के अनुकूल छोटे-छोटे व्यवसायों से जोड़ा गया है। गौठान पशुपालकों, गोबर संग्राहकों और किसानों से 2 रुपए प्रति किलो की दर से गोबर खरीदी की अपनी तरह की देश की अनूठी गोधन न्याय योजना का केंद्र बिंदु भी हैं। यहां गोबर से वर्मी कंपोस्ट और सुपर कंपोस्ट बनाने की गतिविधियों संचालित की जा रही हैं। इसके साथ-साथ स्व-सहायता समूहों द्वारा सामुदायिक बाड़ी, मशरूम उत्पादन, मछली पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन सहित गोबर से दिया, गमला तथा अगरबत्ती बनाने जैसी अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

गोधन न्याय योजना के तहत आरम्भ से अब तक 63.89 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की गई और इसके एवज में गोबर विक्रेताओं को 127 करोड़ 79 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। पशुपालकों, किसानों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं, डेयरी फार्म संचालकों सहित 97 हजार से अधिक भूमिहीन ग्रामीणों को कोरोना के चुनौतीपूर्ण दौर में गोबर बेचने से मिली राशि से आर्थिक संबल मिला। उन्हें घर-परिवार की छोटी-मोटी जरूरतें पूरी करने में आसानी हुई।

गौठानों में रोजगार से ग्रामीणों और महिलाओं को जोड़ने नये-नये उपक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। रायपुर और दुर्ग के 10 गौठानों में जैविक गुलाल और पूजन सामग्री के उत्पादन के लिए एमओयू किया गया है। इस परियोजना में 150 महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं एक वर्ष में लगभग साढ़े तीन करोड़ रूपए के जैविक गुलाल और पूजन सामग्री का उत्पादन करेंगी। महिलाओं को पारिश्रमिक के अलावा उत्पादों की बिक्री की आय से 5 प्रतिशत लाभांश भी दिया जाएगा। गौठानों में स्व-सहायता समूहों द्वारा प्राकृतिक पदार्थों से निर्मित उत्पादों के मानकीकरण और विपणन के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से अर्थ ब्रांड लॉन्च किया गया है। इस ब्रांड से 4 उत्पादों स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार साबुन, एसेंशियल आयल, इम्युनिटी टी, ऑर्गेनिक गुलाल की बिक्री की जाएगी। इन उत्पादों के उत्पादन में संलग्न 230 गौठानों की 2123 महिलाएं लाभान्वित होंगी।

गौठानों से 91.11 करोड़ रूपए के वर्मी कंपोस्ट की बिक्री

गौठानों में खरीदे गए गोबर से कुल 15.87 लाख क्विंटल से अधिक कंपोस्ट का उत्पादन किया गया। जिसमे से वर्मी कंपोस्ट और सुपर कंपोस्ट मिलाकर अब तक 9.70 लाख क्विंटल कंपोस्ट का विक्रय किया जा चुका है, जिसका मूल्य 91.11 करोड़ रुपये है। गोधन न्याय योजना के तहत वर्मी कंपोस्ट तैयार करने संलग्न स्वसहायता समूहों को 31.34 करोड़ रुपए की लाभांश राशि और गौठान समितियों को 48.04 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। योजना में गोबर खरीदी में जितना भुगतान किया गया, उससे अधिक लाभ हुआ। इसके साथ-साथ वर्मी कंपोस्ट का खेतों में उपयोग बढ़ा। रासायनिक उर्वरकों की कमी से निपटने में भी योजना से मदद मिली और प्रदेश जैविक राज्य बनने की राह पर आगे बढ़ा है।गौठनों में वर्मी कंपोस्ट सहित अन्य गतिविधियों में संलग्न 11 हजार 477 स्वसहायता समूहों की 77 हजार 77 महिलाओं ने अब तक 51.36 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है, जो ग्रामीण महिलाओं द्वारा अपनी लगन और मेहनत से हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि है। ग्रामीणों को रोजगार के और अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए गौठानों में 152 तेल पिराई मिल और 173 दाल मिल इकाईयों की स्थापना की जा रही है। चुनिंदा गौठानों में गोबर से बिजली बनाने की शुरूआत हो चुकी है। नवाचार के अंतर्गत गोबर से पेंट बनाने के उद्यम की शुरुआत के लिए एमओयू किया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

खास खबर

'विक्रम वेधा' से सैफ अली खान का फर्स्ट लुक आया सामने

ऋतिक रोशन और सैफ अली खान स्टारर विक्रम वेधा से विक्रम यानी सैफ का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। इस बात की जानकारी खुद फिल्म के राइटर-डायरेक्टर पुष्कर और गायत्री ने दी है। उन्होंने सैफ की फोटो शेयर करते हुए लिखा, यहां देखिए विक्रम वेधा के विक्रम का एक्सक्लूसिव लुक। फिल्म 30 सितंबर को वर्ल्ड वाइड रिलीज होगी।

तापसी की 4 फिल्में रिलीज को तैयार

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू की चार फिल्में 'शाबास मिट्ठू', 'ब्लर', 'दोबारा' और 'वो लड़की है कहां' रिलीज को तैयार हैं। इसके साथ ही वह 12 ब्रांड्स को भी इंडोर्स करेंगी। इसपर बात करते हुए तापसी ने कहा, मैं हमेशा से उन ब्रांड्स का एडवर्टीजमेंट करना चाहती थी, जिनको मैं खुद यूज करती हूं। मैंने जो भी ब्रांड्स के लिए साइन किया है मैंने उनको खुद यूज किया है, वह भी इनका एंबेसडर बनने के पहले। एडवर्टीजमेंट एक्सपर्ट के अनुसार, तापसी की अपील टियर टू और टियर थ्री शहरों में ज्यादा है।

पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज होने के बाद महेश मांजरेकर का बयान आया सामने

महाराष्ट्र पुलिस ने फिल्म अभिनेता महेश मांजेरकर पर आईपीसी की धारा 292, 34, पॉक्सो धारा 14 और आईटी धारा 67, 67 B के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि अभिनेता पर एक मराठी फिल्म में नाबालिग बच्चों के साथ आपत्तिजनक दृश्य दिखाने का आरोप है। मामले में कोर्ट ने जांच के आदेश दिए हैं। इसके बाद अब मामले में महेश ने अपना पक्ष रखा है। डायरेक्टर ने कहा, उन्होंने लीगल रास्ते को चुना है तो मेरे वकील इसका जवाब देंगे। मैं अपनी फिल्म के साथ खड़ा हूं। मेरी फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने पास किया है, इससे ज्यादा और मैं क्या कहूं।

सिद्धार्थ शुक्ला जैसा कोई नहीं बन सकता, वो एक ही हैं और एक ही रहेंगे: प्रतीक सहजपाल

प्रतीक सहजपाल को हाल ही में पैपराजी ने मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया। इस दौरान पैपराजी ने प्रतीक की तुलना दिवंगत ऐक्टर सिद्धार्थ शुक्ला से की और कहा, बिग बॉस के अगर दूसरे सिद्धार्थ शुक्ला हैं तो वो हैं प्रतीक भाई। ये सुनकर प्रतीक हाथ जोड़ लेते हैं और जवाब देते हुए कहते हैं, उनके जैसा कोई नहीं बन सकता। वो एक ही हैं और एक ही रहेंगे। और वो हमेशा रहेंगे।

4 साल बाद 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स' से सोनाली बेंद्रे कर रहीं हैं वापसी

एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे 4 साल बाद टीवी पर वापसी कर रही हैं। सोनाली 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स' के सीजन 5 में रेमो डिसूजा और मौनी रॉय के साथ जज के रूप में नजर आएंगी। हाल ही में सोनाली ने सोशल मीडिया पर शो के सेट से अपनी कुछ फोटोज पोस्ट की थीं। इन फोटोज को देख सोनाली की ऐक्साइटमेंट साफ दिख रही है। बता दें सोनाली ने इस शो की शूटिंग शुरू कर दी है।

16 साल की उम्र में पूजा भट्ट को लग गई थी शराब की लत, 11 साल की शादी टूटी

फिल्म अभिनेत्री पूजा भट्ट आज 50 साल की हो गई हैं। महेश भट्ट की बेटी पूजा डायरेक्टर और प्रोड्यूसर भी रह चुकी हैं। पूजा भट्ट की जिंदगी विवादों से घिरी हुई है। 17 साल की उम्र में बॉलीवुड में कदम रखने वाली महेश भट्ट की इस बेटी को 16 साल में ही शराब पीने की लत लग गई थी। पूजा ने साल 1989 में फिल्म 'डैडी' से एक्टिंग डेब्यू किया था। अपने पिता महेश भट्ट की इस फिल्म में पूजा ने काफी बोल्ड किरदार निभाया था। फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर न्यू फेस ऑफईयर का अवॉर्ड भी मिला।

पूजा के फैमिली बैकग्राउंड की बात करें तो पूजा भट्ट महेश भट्ट और किरण भट्ट की बेटी हैं। उनकी मां का असली नाम लॉरेन ब्राइट था। पूजा भट्ट का एक भाई राहुल भट्ट हैं। महेश भट्ट और किरण की शादी ज्यादा दिन तक नहीं चली। दोनों बाद में अलग हो गए थे। जिसके बाद महेश भट्ट ने सोनी राजदान से शादी किया। महेश और सोनी राजदान की दो बेटियां आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट हैं। पूजा और आलिया सौतेली बहनें हैं। दोनों के रिश्तें काफी अच्छे हैं। दोनों आए-दिन सोशल मीडिया पर एक साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

पूजा की लव लाइफकी बात करें तो पूजा अभिनेता रणवीर शौरी के साथ रिलेशनशिप में थी। दोनों कई साल तक लिव-इन में रहें पर बाद में दोनों के बीच लड़ाई-झगड़े शुरू हो गए। जिसके कारण दोनों अलग हो गए। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष मखीजा से शादी की थी। दोनों की शादी 11 साल तक ही चल सकी। बाद में दोनों ने तलाक ले लिया था।

यह भी कहा जाता है कि 16 साल की उम्र में ही पूजा शराब पीने लगी थी। उन्हें शराब की लत लग गई थी। बहुत बाद पूजा ने शराब छोड़ने का फैसला किया। साल 2016 में पूजा ने शराब को छोड़ने की कसम खा ली। शराब छोड़ने की बात को उन्होंने मीडिया के सामने खुलकर रखा था। कहा जाता है कि पूजा ने अपने एक दोस्त को खोने के बाद शराब पीना शुरू किया था लेकिन पिता के कहने पर उन्होंने शराब को छोड़ दिया।

सड़क, जानम, गुनहगार, हम दोनों, चाहत, तमन्ना, बॉर्डर, जख्म जैसी कई फिल्मों में पूजा ने अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। वहीं उन्होंने 49 साल की उम्र में वेबसीरीज बॉम्बे बेगम से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की थी। जॉन अब्राहम की फिल्म 'पाप' से उन्होंने डायरेक्शन के क्षेत्र में कदम रखा था।

संजय लीला भंसाली की बनाई 9 फिल्मों ने बॉक्सऑफिस पर की इतनी कमाई

24 फरवरी 1963 को जन्मे संजय लीला भंसाली सौंदर्य और कला के अनुरागी हैं। बातें करते कम हैं और सिनेमा के लिए समय अधिक बचाते हैं। न सफलता उन्हें संतुष्टि देती है और न असफलता परेशान करती है। 'प्रेम' उनका स्थायी भाव है और 'गुस्सा' क्षणिक प्रतिक्रिया। एक इंटरव्यू के दौरान भंसाली ने कहा था कि उनके जीवन में 'प्रेम' नहीं है, इसलिए वे अपनी ये कमी फिल्मों से पूरी करते हैं। यहां उन्हें जीवन के रंग और भव्यता की दुनिया रचाने का मौका मिलता है।

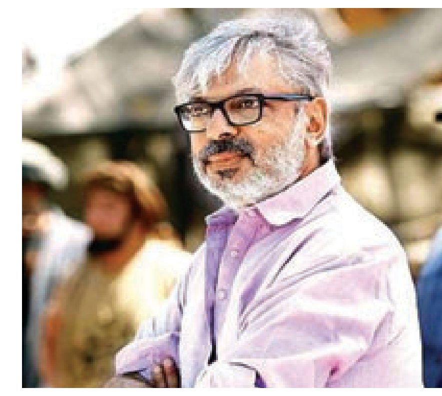

'हम दिल दे चुके सनम' से लेकर 'गोलियों की रासलीला: राम-लीला' और 'देवदास' से लेकर 'बाजीराव...' तक में उन्होंने प्रेम की अड़चनें और उसमें छिपा रोमांस खूबसूरती से परदे पर लाया है। वे अतीत की कोई एक प्रेम कहानी लेते हैं, जो सालों से उनके दिमाग में बसी होती है। फिर स्टार कास्ट, भव्यता और संवादों के जरिए उसे जीवन के चरम सौंदर्य तक ले जाते हैं।

- पद्मावत ने 302 करोड़ का बिजनेस कर कई रिकॉर्ड बनाए थे। इसमें दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर मुख्य किरदारों में नजर आए थे।
- बाजीराव मस्तानी ने तकरीबन 185 करोड़ की कमाई थी। फिल्म में रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण थे।
- रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण स्टारर इस फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर तकरीबन 116 करोड़ रुपए कमाए थे।
- 2002 में रिलीज हुई इस फिल्म ने तकरीबन 42 करोड़ रुपए कमाए थे। फिल्म में शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय, माधुरी दीक्षित मेन लीड में थे।
- 1999 में रिलीज हुई फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर 25 करोड़ कमाए थे। फिल्म में ऐश्वर्या राय, सलमान खान, अजय देवगन ने मुख्य भूमिका निभाई थी।
- खामोशी बॉक्सऑफिस पर बुरी पिटी थी। इसने केवल 7 करोड़ कमाए थे।
- सांवरिया यह रणबीर कपूर और सोनम कपूर की डेब्यू फिल्म थी। फिल्म ने केवल 20 करोड़ की ही कमाई थी
- गुजारिश 2010 में रिलीज हुई ये फिल्म केवल 29 करोड़ का बिजनेस ही कर पाई थी। फिल्म में ऋतिक और ऐश्वर्या राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी।
- ब्लैक बॉक्सऑफिस पर ठीक ठाक प्रदर्शन करने में कामयाब हुई थी। इसने तकरीबन 23 करोड़ की कमाई थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, रानी मुखर्जी नजर आए थे।

हिना खान ने पिरामिड के सामने अंग्रेजी बीट पर लगाए जबरदस्त ठुमके, कहा-'एक बार फिर सस्ता रोमांच'

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से अक्षरा के रूप में घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी हालांकि अब वह इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं। उन्हें सीरीयल के साथ कई रियलिटी शोज में भी देखा जा चुका है तो वहीं वह एक फिल्म भी कर चुकी हैं। हिना खान सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने लुक को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। इस समय हिना खान अपने वेकेशन को जमकर एंजॉय कर रही हैं और उससे संबंधित पोस्ट भी कर रही हैं। अब उन्होंने एक वीडियो शेयर की है, जिसमें वह डांस करती नजर आ रही हैं।

हिना खान ने जो वीडियो शेयर किया है, वह इजिप्ट का है। इस वीडियो में एक्ट्रेस हिना खान अंग्रेजी बीट पर जबरदस्त डांस मूव्स करती नजर आ रही हैं और बैकग्राउंड में पिरामिड नजर आ रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए हिना खान ने बहुत ही मजेदार कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, हा हा हा, सकारा स्टेप पिरामिड पर एक बार फिर सस्ता रोमांच..।

फैंस को उनका ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है और फैंस दिल वाली इमोजी के साथ उनकी पोस्ट पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। कई प्रशंसकों ने उनकी इस वीडियो पर मजेदार कमेंट भी किए हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, आपको डांस नहीं आता है, तो वहीं दूसरे ने लिखा, जो हिना से जले ज़रा साइड से चले। फैंस इसी तरह से अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करवा रहे हैं।

इसी के साथ हिना खान ने कई तस्वीरें भी शेयर की हैं। इन तस्वीरों में भी हिना खान पिरामिड के पास एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में चिलचिलाती धूप में भी हिना खान का लुक काफी कूल लग रहा है। हिना ने इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम से शेयर करते हुए लिखा, 'मिस्र के सकारा में बने अब तक के पहले पिरामिड के सामने एक-एक कदम..' हाल ही में हिना ने अपने वेकेशन कई और तस्वीरें भी शेयर की थीं। इन तस्वीरों में हिना खान ऊंट के साथ मस्ती भरे अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं और उनके पीछे पिरामिड दिखाई दे रहे हैं।

विद्या बालन से लेकर इरफान खान तक, फिल्मों से पहले टीवी सीरियल्स में नजर आ चुके हैं ये कलाकार

मनोरंजन जगत में कई कलाकार ऐसे भी हैं, जिन्होंने छोटे मंच से अपनी शुरुआत की और आज बॉलीवुड का एक चमकता हुआ सितारा बन चुके हैं। रंगमंच से लेकर छोटे पर्दे और फिर बड़े पर्दे तक का सफर तय करके कामयाबी के शिखर तक पहुंचने वाले ऐसे ही कई कलाकारों की बदौलत फिल्म इंडस्ट्री ने कई मुकाम हासिल किए हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि इन कलाकारों की वजह से ही इंडस्ट्री का वजूद दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में बॉलीवुड में ऐसे कई कलाकार मौजूद हैं, जिन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत टीवी सीरियल्स के जरिए की थी, लेकिन उनकी इस शुरुआत के बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं। तो आइए जानते हैं बॉलीवुड के ऐसे ही चमकते सितारों के बारे में जिन्होंने तय किया छोटे पर्दे से बड़े पर्दे तक का सफर।

शाहरुख खान

बॉलीवुड में किंग खान के नाम से मशहूर अभिनेता शाहरुख खान ने फिल्म दीवाना से बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू किया था। उनकी यह फिल्म सुपरहिट रही थी। फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में शामिल शाहरुख खान फिल्मों से पहले सर्कस और फौजी जैसे टीवी सीरियल्स में नजर आ चुके हैं।

इरफान खान

बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकारों में से एक अभिनेता इरफान खान आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी लाजवाब अदाकारी से दर्शकों के दिल में जगह बनाने वाले अभिनेता हमेशा हमारे बीच मौजूद रहेंगे। इंडस्ट्री में अपना नाम कमाने से पहले इरफान खान चंद्रकांता जैसे सीरियल में नजर आ चुके हैं।

मंदिरा बेदी

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे समेत कई बॉलीवुड फिल्म नजर आ चुकीं अभिनेत्री मंदिरा बेदी भी छोटे पर्दे के सीरियल शांति में काम कर चुकी हैं।

विद्या बालन

फिल्म इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल विद्या बालन भी छोटे पर्दे पर अपने अभिनय का जादू बिखेर चुकी हैं। फिल्मों में आने से पहले एक्ट्रेस ज़ी टीवी के मशहूर टीवी शो हम पांच में नजर आ चुकी हैं।

यामी गौतम

विक्की डोनर और उरी जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री यामी गौतम ने भी अपने अभिनय की शुरुआत टीवी सीरियल से ही थी। यामी टीवी के चर्चित सीरियल चांद के पार चलो और ये प्यार ना होगा कम में काम कर चुकी हैं।

सुशांत सिंह राजपूत

अपनी बेहतरीन अदाकारी से लोगों के दिल में जगह बनाने वाले दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने भी जी टीवी के मशहूर टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से शोहरत हासिल की थी। छोटे पर्दे पर नाम कमाने के बाद उन्होंने फिल्मों में भी काफी शोहरत हासिल की।

अंकिता लोखंडे ने स्मार्ट जोड़ी में की पति विक्की जैन की तारीफ

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन जल्द अंकिता के साथ एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। दोनों जल्द स्टार प्लस के शो स्मार्ट जोड़ी में नजर आएंगे। हाल ही में शो का नया प्रोमो रिलीज हुआ, जिसमें अंकिता ने विक्की की खूब तारीफ की। अंकिता ने कहा, हर लड़की के पास एक ऐसा पार्टनर होना चाहिए, जो हर बुरे और अच्छे वक्त में आपका साथ दे। जब मुझे सच में विक्की की जरूरत थी तब उन्होंने दिखाया है कि वो हैं। मुझे पहले लगता था कि प्यार क्या होता है, मैं अपने तरीके से प्यार को देखती थी कि ये प्यार होता है। लेकिन विक्की की वजह से मैं प्यार का अलग मतलब समझ पाई हूं, क्योंकि ये जैसे मुझसे प्यार करते हैं वैसा प्यार आज तक किसी ने नहीं किया।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

शिवरात्रि महापर्व पर ब्रह्माकुमारीज का आयोजन

भिलाई। सकारात्मक जीवन शैली राजयोग मेडिटेशन संबंधों में मधुरता बच्चों में मूल्यों का विकास जैसे विभिन्न निशुल्क कोर्सेस के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मिसाल बनाने वाली विगत 85 वर्षों से संपूर्ण विश्व में 365 दिन निस्वार्थ सेवा में तत्पर अंतर्राष्ट्रीय संस्थान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में पहली बार वैशाली नगर के लोक आंगन परिसर में दिनांक 26 फरवरी, शनिवार से 2 मार्च बुधवार तक संध्या 6:30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक महाशिवरात्रि महोत्सव का विशेष आयोजन 'नई अनुभूति की नई दिशा' विशेष महाशिवरात्रि पर्व को यथार्थ रूप से मनाने हेतु इस विशेष आयोजन में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा ध्वनि एवं प्रकाश के सुंदर समन्वय द्वारा अभूतपूर्व भव्य झांकी जिसमें सुनेंगे अनुपम कहानी स्वयं रात्रि की जुबानी । लेजर किरणों द्वारा अद्भुत रोमांचकारी प्रस्तुति रहेगी योग द्वारा परमात्म साथ की सुखद अनुभूति करेंगे और साथ ही ज्योतिर्लिंग पर देंगे सच्ची आहुति और पाएंगे प्रभु का पत्र अपने नाम। जीवन में एक नई श्रेष्ठ अनुभूति हेतु इस महाशिवरात्रि में अपने जीवन से अंधकार को समाप्त करने की विशेष प्रेरणा देती यह अभूतपूर्व झांकी विभिन्न प्रदर्शनी एवं मॉडल्स द्वारा जीवन में अपने जीवन में एक नए सकारात्मक अनुभूति की ओर बढ़ने की शक्ति प्रदान करेगा।

तहसील कार्यालय मनेन्द्रगढ़ के औचक निरीक्षण में 1169 प्रकरण मिले लंबित

कोरिया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ में तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर ने पहले ही पहुंचकर कार्यालय के प्रकरणों का अवलोकन किया, जिसमें 1169 प्रकरण लंबित पाए गए। निरीक्षण के दौरान लंबित प्रकरणों पर रीडर को फटकार लगाते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार को कार्यशैली में सुधार और प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आरबीसी 6-4 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निराकरण करते हुए हितग्राहियों को 1 महीने के अंदर राशि दिए जाने के निर्देश दिए।

ग्रामीण विकास का मजबूत आधार बन रही है शासन की योजनाएं- उमेश पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। उच्च शिक्षामंत्री उमेश पटेल खरसिया विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में 1 करोड़ 25 लाख 25 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। उच्च शिक्षामंत्री श्री उमेश पटेल ने इस दौरान ग्रामवासियों को संबोधित करते हुये कहा कि सरकार निरंतर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती प्रदान करने के लिए योजनाओं का प्राथमिकता से निर्माण कर क्रियान्वयन कर रही है।

शासन गाँव में रहने वाले लोगों को उनकी जरुरत के अनुसार आजीविका के साधन मुहैय्या कराने के साथ ही उनकी आर्थिक उन्नति के लिए विभिन्न नीतियां बनायी है तथा योजनायें शुरू की हैं। किसान, श्रमिक, आदिवासी परिवारों तक सबके विकास को ध्यान में रख कार्य किया जा रहा है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से धान सहित अन्य फसलों की अधिक कीमत मिली। आदिवासी अंचलों के निवासियों के आजीविका का मुख्य स्त्रोत वनोपज के भी समर्थन मूल्य में खरीदी के दायरे को विस्तार देकर समर्थन मूल्य में वृद्धि की गयी। जिसका लाभ वनवासी परिवारों को मिल रहा है। शासन जहां एक ओर किसानों के लिए योजनाएं चला रही है वहीं गांवों में निवास करने वाले भूमिहीन श्रमिकों के लिए भी योजना शुरू की है। उन्होंने आगे कहा कि गांवों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए घर-घर तक नल कनेक्शन विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, कुपोषण मुक्ति की दिशा में भी व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है।

उच्च शिक्षामंत्री श्री पटेल आज खरसिया विकासखण्ड के टांडापारा, गांड़ापाली, बर्रा, खम्हार एवं कोठीकुण्डा गांव में पहुंचे। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के माध्यम से नागरिकों से सीधा संवाद होता है। जिससे उनकी मांग और समस्याओं को जानने का मौका मिलता है। इससे आगे होने वाले विकास कार्यों की रूपरेखा बनाने में मदद मिलती है। इस दौरान विभिन्न ग्रामवासियों की समस्याओं से वे अवगत हुए तथा जल्द उसका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस मौके पर सभापति जिला पंचायत श्रीमती संतोषी राठिया, अध्यक्ष जनपद पंचायत खरसिया श्री मेहत्तर उरांव, सदस्य जनपद पंचायत श्री प्रीतम राठिया, सरपंच पुछियापाली श्रीमती ललिता राठिया, सरपंच बर्रा श्रीमती उमा राठिया, सरपंच काफमार श्रीमती शकुंतला राठिया, श्री रामदयाल राठिया, श्री अभय महंती, श्री मनोज गबेल, श्री नेत्रानंद पटेल, श्रीमती सुलोचना सिदार, बीडीसी श्रीमती ईश्वरी राठिया, श्री पवन कुमार राठिया सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इन कार्यों का हुआ लोकार्पण व भूमिपूजन- उच्च शिक्षामंत्री श्री पटेल ने 1 करोड़ 25 लाख 25 हजार रुपये के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इनमें ग्राम-टांडापारा ग्राम पंचायत पुछियापाली में 3 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण एवं 01 लाख 20 हजार रुपये की लागत से पचरी निर्माण कार्य शामिल है।

छत्तीसगढ़ को मोतियाबिंद दृष्टिहीनता मुक्त राज्य बनाने की तैयारी वर्ष 2025 तक 4 लाख मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य

प्रदेश में इस साल अब तक 59,793 मोतियाबिंद पीड़ितों का सफल ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में मोतियाबिंद की वजह से किसी भी व्यक्ति की आंखों की दृष्टि न छिन जाए, इसके लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की गयी है। मोतियाबिंद दृष्टिहीनता मुक्त राज्य नाम से शुरू इस महती योजना में राज्य में अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2025 तक कुल चार लाख मोतियाबिंद ऑपरेशन कर दृष्टिहीनता के मामलों में कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा दृष्टिदोष रोगियों की सूची तैयार की जा रही है।

नेत्र सहायक अधिकारियों के माध्यम से चयनित विकासखंडों में भेजकर तैयार सूची से रोगियों की पुष्टि कर मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हांकन किया जा रहा है।

प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में 1 अप्रैल 2021 से 31 जनवरी 2022 तक 59 हजार 793 मोतियाबिंद पीड़ितों का सफल ऑपरेशन किया जा चुका है। राज्य के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला चिकित्सालयों तथा दुर्ग जिले के सुपेला सिविल अस्पताल, बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के भाटापारा सिविल अस्पताल व जशपुर जिले के पत्थलगांव सिविल अस्पताल एवं कोरिया जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों मनेंद्रगढ़, सोनहत और पटना में निःशुल्क मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। इन सभी अस्पतालों में उत्तम गुणवत्ता के लेंस के साथ शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मोतियाबिंद के मरीजों का सुरक्षित ऑपरेशन किया जाता है। ऑपरेशन के बाद मरीजों की नियमित फालो-अप की जाती है। साथ ही उन्हें निःशुल्क दवा और चश्मा भी प्रदान किया जाता है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत इन सभी शासकीय अस्पतालों में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया जा सकता है।

रायपुर के माना स्थित सिविल अस्पताल में हाल ही में आंखों की जांच, इलाज और ऑपरेशन की सुविधा प्रारम्भ की गयी है। यहां मरीजों के लिए 100 बिस्तरों की व्यवस्था की गयी है। वर्तमान में जिला अस्पताल पण्डरी के उपलब्ध संसाधनों को माना अस्पताल में स्थानांतरित कर ये सेवायें शुरू की गयी है। माना सिविल अस्पताल में इस सप्ताह 70 मरीजों के आंखों का सफल ऑपरेशन भी किया गया है। यहां शासकीय कार्य दिवसों में प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे तक नेत्र परीक्षण की सुविधा है।

स्टार्टअप व्यवसाय विकसित को करने थिंक बी कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर के इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आज छात्रों को स्टार्टअप व्यवसाय को विकसित करने में मदद करने के लिए जिला प्रशासन के उपक्रम थिंक बी के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्येश्य छात्रों के मध्य व्यावसायिक नवाचार के द्वारा स्टार्टअप करने के लिए प्रेरित करना है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सहायक कलेक्टर सुरुचि सिंह, विशिष्ठ अतिथि के रूप में शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. हिमांशु अग्रवाल, थिंक बी के नोडल अधिकारी अजय देवांगन तथा एमजीएनएफ फेलो अभिषेक चंद्राकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. व्ही. विजयलक्ष्मी ने किया तथा कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के थिंक बी रिसोर्स काउंसलर डॉ. सनत कुमार साहू ने किया।

प्राचार्य डॉ. विजयलक्ष्मी ने महाविद्यालय में छात्रों के लिए चलाये जा रहे इन्क्यूबेशन सेंटर के कार्यो पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बस्तर में छात्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है बस उसको निखारने की आवश्यकता है। महाविद्यालय द्वारा छात्रों के उन्मुखीकरण के लिए समय समय पर ऐसे आयोजन किये जाते रहे हैं। सहायक कलेक्टर सुरुचि सिंह ने थिंक बी के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों से संविधान में वर्णित साइंटिफिक टेम्पर को विकसित करने पर बल दिया।

दुर्घटना में मौत के बाद हुआ मामले का खुलासा

कूट रचित दस्तावेज से दूसरों के लिए कराये थे वाहन फायनेन्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कूटरचित दस्तावेज तैयार कर स्वयं को लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से षडयंत्रपूर्वक कोरे दस्तावेजों में फर्जी हस्ताक्षर कर कावासाकी वाहन फायनेन्स के मामले में प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी श्रीमती अंकिता गुप्ता ने तत्कालीन अतिरिक्त क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी ए.जी.गनी खान वंदना ऑटो के संचालक विवेक अग्रवाल, परिवहन विभाग के अधीक्षक ललित पांडेय, आरटीओ एजेन्ट वैंकटेश उर्फचिन्ना सहित 7 लोगों के खिलाफ नेवई पुलिस को आदेशित किया है कि, धारा 420, 467, 468, 471, 120 बी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर अन्वेषण पश्चात अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में पेश करने का आदेश जारी किया है।अधिवक्ता संजय अग्रवाल ने बताया कि, 2002 मे परसवाड़ा जिला बालाघाट में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत के बाद इस फर्जीवाड़ा का खुलासा हुआ

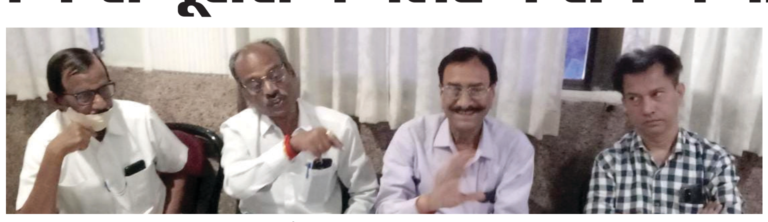

था तब से आवेदक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, गृहमंत्री एवं थाना सुपेला एवं थाना नेवई को इस जालसाजी की शिकायत कर जाँच कर दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाही की माँग की है।

किन्तु कहीं से भी न्याय न मिलने पर न्यायालय में धारा 156(3) के तहत परिवाद प्रस्तुत किया जिस पर से प्रथम श्रेणी दण्डाधिकारी श्रीमती अंकिता गुप्ता ने नेवई पुलिस को अपराध पंजीबद्ध करने का आदेश जारी किया। अधिवक्ता संजय अग्रवाल ने पीड़ित प्रगति नगर निवासी वरिष्ठ नागरिक अमर सिंह ठाकुर की उपस्थिति में आयोजित पत्रकार वार्ता में मामले की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि, अमर सिंह ठाकुर ने 1996 में अपनी पुत्री को कॉलेज आने-जाने के नाम पर बजाज फायनेन्स कम्पनी जो सुपेला में स्थित थी से एक सफेद बजाज प्राईड फायनेन्स कराया इस दौरान प्रार्थी से 20-25 हस्ताक्षर करवाये गये, फॉर्म 28, 29 और 30 के साथ-साथ कोरे दस्तावेजों में भी हस्ताक्षर करवाये गये।

जिसकी सारी किश्तें बजाज फायनेन्स को अदा कर दी गई। इसी दौरान आवेदक के बजाज फायनेन्स को दिये गये दस्तावेजों के आधार पर बजाज फायनेन्स कम्पनी ने किसी अन्य व्यक्ति को बजाज एस. चैम्पियन मोटरसायकल फायनेन्स कर दी गई। उक्त व्यक्ति द्वारा किश्त भी अदा कर दी गई थी। आरटीओ दुर्ग में वाहन का पंजीयन एम पी 24 ई सी 9959 तथा वर्ष 2002 में सीजी 07 जेड एम 1983 परिवर्तित किया गया था।

उक्त वाहन से परसवाड़ा बालाघाट मध्यप्रदेश मे दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत होने के उपरांत वाहन भिलाई निवासी अमर सिंह ठाकुर के नाम पर पंजीबद्ध होने की वजह से बैहर के न्यायालय में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जबकि दुर्घटनाग्रस्त् वाहन के फायनेन्स एवं पंजीयन के संबंध में अमर सिंह ठाकुर को किसी प्रकार की जानकारी नहीं थी और ना ही उन्होंने फायनेन्स करायी थी, 8 साल 6 माह तक कानूनी लड़ाई लडऩे के उपरांत बैहर के अपर न्यायालय ने अमर सिंह ठाकुर को दोषमुक्त कर दिया। उसके उपरांत अमर सिंह ठाकुर ने पुलिस अधीक्षक दुर्ग, क्राईम ब्रांच में इस फर्जीनामा के संबंध में लिखित शिकायत की।

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की स्मृति में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की स्मृति में सम्पूर्ण भारत मे 100 निरंकारी सत्संग भवनों में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से आयोजित यह नेत्र जांच शिविर दुर्ग में ब्रांच दुर्ग भिलाई द्वारा संत निरंकारी सत्संग भवन दीपक नगर दुर्ग में निशुल्क नेत्र जांच शिविर सम्पन्न हुआ।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 250 से अधिक मरीजो ने नेत्र जांच के लिए पंजीयन करवा जांच करवाई। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजो को निशुल्क चश्मा भी वितरण किया गया। जांच के बाद जिन मरीजो को मोतियाबिंद ऑपरेशन की आवश्यकता देखी गई उनका निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन जिला चिकित्सालय दुर्ग में किया जाएगा। जोनल इंचार्ज भजन सिंह निरंकारी जी के मार्गदर्शन में आयोजित नेत्र जांच शिविर में जिला चिकित्सालय की नेत्र विशेषज्ञ डॉ संगीता भाटिया जी के निर्देशन में नेत्र सहायक

अधिकारी मो रियाजुद्दीन शेख,मुकेश शर्मा जी का विशेष योगदान रहा।साथ ही नेत्र सहायक अधिकारी अरुण सिंह जी,श्री सत्रुघन सिन्हा जिला चिकित्सालय दुर्ग एवम पूरी टीम का भी सहयोग रहा। नेत्र शिविर में मुख्य रूप से अध्यक्ष भिलाई शहर जिला कांग्रेस मुकेश चंद्राकर ने आयोजनकर्ता संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन के सामाजिक कार्यो की प्रशंसा की। ब्रांच संयोजक श्री सतपाल सैनी जी ने बताया कि शिविर में 250 से ज्यादा हितग्राहियों ने जांच शिविर का लाभ उठाया। जिला चिकित्सालय नेत्र विभाग के सभी डॉक्टर व सहायक अधिकारीयो के सराहनीय योगदान हेतु पूरी टीम को जोनल इन्चार्ज भजनसिंह निरंकारी व ब्रांच संयोजक सतपाल सिंह सैनी ने सम्मनित किया।

प्रदेश के उत्तरी भाग में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा या छींटे पड़ने की संभावना

रायपुर। प्रदेश के उत्तरी भाग में गुरूवार को एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा या छींटे पड़ने की संभावना है। स्थानीय मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। अरब सागर से आने वाले पश्चिमी हवाओं और बंगाल की खाड़ी से आने वाले गर्म और नमी युक्त दक्षिणी हवाओं का संगम स्थल अभी पूर्वी मध्य प्रदेश में है। प्रदेश में 24 फरवरी को प्रदेश के उत्तरी भाग में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक वृद्धि संभावित है। अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की सम्भावना नहीं है।

सूचना

पूजा शर्मा पिता राजीव शर्मा, निवासी एलआईजी 4/4, नेहरू नगर पूर्व, भिलाई का लाल रंग का बैग सेक्टर-9 चौक के आप-पास दिनांक 19 फरवरी 2022 को रात्रि 9.00 बजे कहीं रास्ते में गिर गया है। जिसमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस, एचडीएफसी, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड व एटीएम कार्ड रखा हुआ था। जिस किसी भी व्यक्ति को मिले उक्त पते पर पहुंचाने या सूचना देने का कष्ट करें।

संपर्क करे
पूजा शर्मा पिता राजीव शर्मा,
निवासी एलआईजी 4/4, नेहरू नगर पूर्व, भिलाई
मो.नं.-9302835283

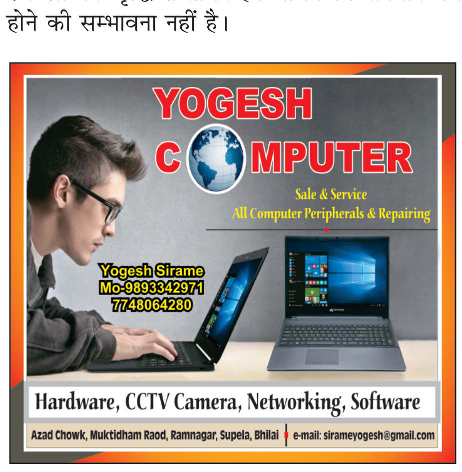

खास-खबर

न्यायालय परिसर में अधिवक्ता से महिला ने की मारपीट, अपराध दर्ज

दुर्ग (ए)। बुधवार दोपहर जिला न्यायालय परिसर में एक अधिवक्ता के साथ मारपीट की घटना हो गई। इस घटना के बाद अधिवक्तागण आक्रोशित होकर कोतवाली थाना दुर्ग पहुंच गए। शिकायत पर पुलिस ने मारपीट करने वाली महिला के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। घटना बुधवार दोपहर 2.30 बजे के आसपास हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेक्टर-6 भिलाई निवासी जनक नंदिनी कौशिक(56) की पुत्री का अपने पति के साथ पारिवारिक विवाद का मामला फैमिली कोर्ट दुर्ग में विचाराधीन है। जिसमें अधिवक्ता हरेंद्र उमरे द्वारा पैरवी की जा रही है। प्रकरण के निराकरण में हो रहे विलंब को लेकर जनक नंदिनी ने अधिवक्ता के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई। साथ ही पुत्री को भरण पोषण की राशि दिलाई जाने की मांग करने लगी। इस पर अधिवक्ता ने महिला को समझाइश देते हुए बताया कि कोरोना काल की वजह से न्यायालयीन कार्य बाधित हुआ है और इस कारण से प्रकरण के निराकरण में विलंब हो रहा है। जिस पर महिला आक्रोशित हो गई और अधिवक्ता को थप्पड़ मार दिया। इस घटना की जानकारी मिलने पर न्यायालय परिसर में मौजूद अन्य अधिवक्तागण उत्तेजित हो गए। बड़ी संख्या में अधिवक्तागण दुर्ग कोतवाली थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने आरोपित महिला जनक नंदिनी के खिलाफ धारा 294,506,323 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया।

महिला आयोग में शिकायत करने वाले को ही फटकार

उधारी चुकाने से बचने के लिए महिला ने छेड़छाड़ की झूठी शिकायत की, सुनवाई में खुला मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने सुनवाई के दौरान ही एक एक महिला शिकायतकर्ता को फटकार लगा दी। उस महिला ने उधारी चुकाने से बचने के लिए एक व्यक्ति पर छेड़छाड़ की झूठी शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की सुनवाई के दौरान यह बात खुली तो महिला ने अपनी गलती स्वीकार कर लिया।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने बताया, सुनवाई के दौरान सामने आया कि शिकायत करने वाली महिला ने लिखित इकरारनामा के माध्यम से 50 हजार रुपए उधार लिए थे। बाद में जब उधार देने वाले ने रुपए वापस मांगे तो विवाद हुआ। महिला का कहना था, उधार देने वाले ने उसे बुरी तरह डांटा था, इससे नाराज होकर उसने आयोग में शिकायत दर्ज कराया था। छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया था। अब महिला ने स्वीकार किया कि उसने 50 हजार रुपए उधार लिए थे और विवाद उसी का था। उसने एक महीने के भीतर आयोग के सामने ही उधार के रुपए लौटाने की बात कही।

डॉ. किरणमयी नायक ने शिकायत की ऐसी प्रवृत्ति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, महिला आयोग में महिलाओं की रक्षा का अर्थ कत्तई यह नही है कि महिला अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर पुरुषों के खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराए। आयोग ने बताया, सुनवाई के लिए 25 मामले लगे थे, जिनमें से केवल 22 मामलों में दोनों पक्षकार उपस्थित हुए। सुनवाई के बाद 8 मामलों को नस्तीबद्ध कर दिया गया, वहीं दो मामलों को निगरानी में रखा गया है। शेष मामलों की सुनवाई आगे भी चलेगी।

पति-पत्नी ने तलाक दिए बिना दूसरी शादी कर ली, अब बच्चों पर दावा

डॉ. किरणमयी नायक ने बताया, एक अन्य मामले में पति-पत्नी ने तलाक लिए बिना दूसरी शादी कर ली। दोनों से दो बच्चे हैं जो रिश्तेदारों के यहां पल रहे हैं। अब महिला ने पूर्व पति से गुजारा भत्ता और बच्चों की अभिरक्षा मांगी है। डॉ. नायक ने कहा, बिना तलाक लिए दोनो पक्ष शादी कर दोषी साबित हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में प्रकरण का निराकरण किया जाना उचित नहीं होगा क्योंकि दोनों की स्थिति वैधानिक नहीं है। बच्चों की स्थिति को देखते हुए महिला आयोग ने पूरा मामला राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को भेज दिया।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी में छात्र गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था 7 साल के बच्चे का अश्लील वीडियो

कांकेर (ए)। कांकेर में एक छात्र को चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी छात्र ने 7 साल के बच्चे का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस संबंध में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की ओर से कांकेर पुलिस को सूचना दी गई थी। छात्र पर आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

शिवनगर निवासी प्रवीण साहू शहर के एक कॉलेज का छात्र है और रिटायर्ड फौजी का बेटा है। आरोप है कि उसने अप्रैल 2021 में सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी का एक वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो में 7 साल के बच्चे को एक मुर्गे के साथ अप्राकृतिक कृत्य करते दिखाया गया था। यह वीडियो कहां का था यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

NCRB की सेल ने इस वीडियो की जांच कराई तो पता चला कि इसे कांकेर से अपलोड किया गया है। इसके बाद वहां से जानकारी छत्तीसगढ़ पुलिस और फिर कांकेर भेजी गई। इस पर आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले भी अप्रैल 2021 में ऐसे ही एक मामले में पखांजूर निवासी रतन दास और जून 2021 में भानुप्रतापपुर के युवक संतोष यादव को भी गिरफ्तार किया गया था।

जिले में अलग अलग थानों में इस साल पिछले डेढ़ माह में ही 13 दुष्कर्म के मामले दर्ज किए गए हैं। दो नाबलिग बच्चियां दुष्कर्म की शिकार हुई है। इसके अलावा 4 आईटी एक्ट के मामले हैं। इसमें भी एक नाबलिग बच्ची है। जनवरी में ही 7 दुष्कर्म व एक आईटी एक्ट और फरवरी में 6 दुष्कर्म व तीन आईटी एक्ट के मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलाव छेड़छाड़ व नाबालिग बालिका के अपहरण जैसे भी कई मामले हैं।

आपत्तिजनक विडियो फोटो अपलोड करने से बचें

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो या फोटो अपलोड करने से बचें। इंटरनेट पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी सर्च करना या इससे संबंधित कोई भी वीडियो शेयर या पोस्ट करना अपराध है। ऐसे मामलों में आईटी एक्ट की धारा 67बी के तहत मुकदमा दर्ज किया जाता है। इसमें 5 साल की सजा हो सकती है। अधिकारियों के मुताबिक 'नेशनल क्राइम फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लोइटेड चिल्ड्रन' इस पर नजर रखती है।

फौजी की जमीन को फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेचने वाला गिरफ्तार

भिलाई। फौजी की जमीन को अपना बताकर बेच देने वाला शातिर भूमाफिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने फौजी की जमीन को 45 लाख रुपये फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेच दिया था। शिकायत होने के बाद से आरोपित फरार था। आरोपित के खिलाफ रायपुर व दुर्ग भी इसी तरह के मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक जुनवानी निवासी लुकेश साहू थल सेना में नौकरी करता है। लुकेश के द्वारा वर्ष 2010 में अपने मामा तुलसी राम साहू के आम मुख्तयार नामा की जमीन को अपने परिचत के अश्वनी चन्द्राकर के साथ मिलकर ग्राम अरसनारा प.ह.न. 15 तहसील व जिला दुर्ग में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर क्रमश 259,277,279 रकबा 0.22 हे0,0.59 01.25 0 कुल 2.22 हे को नौ लाख 90 हजार रुपये में खरीदी कर अपने नाम पर पंजीयन कराया था। लुकेश कुमार साहू थल सेना में नौकरी होने के कारण आने जाने में परेशानी के कारण अपने मामा तुलसी राम साहू को वर्ष 2010 में ही देख रेख हेतु आम मुख्यियार नामा पर दिया था। वर्ष 2020 में लुकेश कुमार साहू के द्वारा उक्त संयुक्त खाते की जमीन का खाता विभाजन हेतु तहसील न्यायालय दुर्ग में आवेदन दिया गया। लुकेश के मामा आरोपित तुलसी राम साहू को खाता विभाजन होने से प्रार्थी की जमीन प्रार्थी के हिस्सा में हो जाने के डर सताने लगा।

नशीली दवा का धंधा करने वाला मुख्य सरगना गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में नशीली ड्रग्स तस्कर सरगना तापस परिडा को भुवनेश्वर ओडिशा से गिरफ्तार किया गया है। पिछले दिनों गिरफ्तार हुए अंतरराज्जीय ड्रग्स तस्कर शेख महबूब और रवि नारायण दीप से नाम सामने आने के बाद पुलिस की टीम ने भुवनेश्वर में दबिश देकर तस्कर गैंग सरगना तापस परिडा को गिरफ्तार किया गया है। भारी मात्रा में नशे का सामान भी जब्त किया गया है।

दवा कंपनी से सांठगांठ

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि गिरोह की किसी न किसी दवा कंपनी से सांठगांठ हो सकती है। तस्कर गैंग सीधे दवा कंपनियों से भारी मात्रा में दवा खरीद कर नशे का कारोबार कर रहे हैं। पुलिस ने रायपुर, महासमुंद और ओडिशा के कुल चार तस्करों को गिरफ्तार किया था। जिनके पास से नशीली टेबलेट, गांजा, चरस और ड्रग्स जब्त किया गया था। पकड़े गए आरोपियों के पास से मुख्य सरगना के बारे में जानकारी मिली थी। पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर पकड़ा है।

60 रुपये की टेबलेट 500 में

नशीली टेबलेट के एक पत्ते में 10 टेबलेट रहती है। जिसका प्रिंट रेट 59 रुपये है। आरोपित एक पत्ते को 400 से 500 रुपये में बेचते हैं। रायपुर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र व दूसरे जिले में भी सप्लाई कर रहे थे।

करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले चिटफंड के दो संचालकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों द्वारा रकम दो गुना करने का झांसा देकर लोगों से ठगी की गई थी। आजाद चौक थाना अंतर्गत मुकुट नगर स्थित अक्षत रेसीडेंसी में सन साइन इन्फ्राबिल्ड कार्पोरेशन लिमिटेड कंपनी का कार्यालय था। आरोपित एसएमएस कालोनी, भवानीपुरा भिंड निवासी सुरेन्द्र सिंह और धरम सिंह कोरबा जेल में बंद थे। आजाद चौक पुलिस प्रोडक्शन वारंट में इन्हें लेकर रायपुर आई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी दिनेश पानिकर एवं नारायण प्रसाद साहू सहित अन्य पीड़ितों द्वारा वर्ष- 2019 में थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुकुट नगर स्थित अक्षत रेसीडेंसी में सन साईन इन्फ्राबिल्ड कार्पोरेशन लिमिटेड़ नामक चिटफंड कंपनी का कार्यालय था। जिसके डायरेक्टर सुरेन्द्र सिंह एवं धरम सिंह कुशवाहा सहित अन्य डायरेक्टरों द्वारा पीड़ितों को लुभावनी स्कीम का झांसा देकर करोड़ों रुपये निवेश कराया गया। आरोपित, पीड़ितों को रकम वापस न कर चिटफंड कंपनी को बंद कर फरार हो गए थे।

इधर, पुलिस को जानकारी मिली कि दोनों आरोपित जिला कोरबा के थाना पाली में चिटफंड मनी सर्कुलेशन एक्ट एवं छग. निवेशकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 10 के प्रकरण में जिला कोरबा जेल में बंद हैं। इस सूचना के बाद आजाद चौक पुलिस वहां गई। प्रोडक्शन वारंट में इन्हें गिरफ्तार कर रायपुर लेकर आया गया है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपित को बोरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित धमधा में छिपा हुआ था। सूचना मिलते ही बोरी पुलिस ने चंद घंटे में ही घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। बोरी पुलिस के मुताबिक बीते 22 फरवरी को थाना बोरी क्षेत्रातंर्गत नाबालिक बालिका के अपहृत होने की सूचना मिली। थाना बोरी में अज्ञात आरोपित के खिलाफ धारा 363 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये दुर्ग एसएसपी बद्रीनारायण मीणा के निर्देशन एवं एएसपी अनंत कुमार साहु, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय दुर्ग अभिषेक झा के मार्गदर्शन में बोरी पुलिस द्वारा रात में ही अलग अलग टीम गठित कर अपहृता की पतासाजी करने आसपास के क्षेत्रों में रवाना किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

होम्योपैथिक सलाहकार का साक्षात्कार

रोजगार सूचना संख्याः ई/पीबी/आर/कल्याण/19/एसबीएफ/एचपीसी, दिनांक 21.02.2022.

प्रत्यक्ष साक्षात्कार (Walk-in-Interview) के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/रायपुर मंडल के मंडल चिकित्सालय रायपुर एवं बीएमवाय रेलवे चिकित्सालय में एक वर्ष के लिए अंशकालिक होम्योपैथिक सलाहकार की संविदा नियुक्ति हेतु आवेदन आंमत्रित किये जाते है। जिसका संक्षेप में विवरण निम्नांकित है:–

पद का नाम	पदों की संख्या	मासिक मानदेय	दिनांक एवं साक्षात्कार का स्थान
होम्योपैथिक सलाहकार	02 (दो)	₹22,500/- प्रति माह	25.03.2022 (शुक्रवार) मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय मंडल रेलवे चिकित्सालय, रायपुर डब्ल्यू.आर.एस. कॉलोनी, रायपुर छ.ग. (केन्द्रीय विद्यालय के पास)।

टिप्पणी: इस संबंध में अधिक जानकारी एवं निर्धारित प्रारूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की वेबसाइट **https://www.secr.indianrailways.gov.in→News/Press/Release/Recruitment → Recruitment→Raipur** से प्राप्त की जा सकती है। अथवा मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी रायपुर के कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर, वाल्टेयर गेट के समीप, रायपुर मो. 9752877608 पर संपर्क करें।

कृते वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

पीआर/आर/सीनि.डीपीओ/आईपी/157

South East Central Railway @secrail

नये लुक एवं वैरायटी में सागौन लकड़ी द्वारा निर्मित
अरिहंत फर्नीचर शो रुम | नमन सेल्स फर्नीचर शो रुम
20% डिस्काउंट के साथ उपलब्ध
- सागौन निर्मित डूरियन मॉडल, वॉल मॉडल, डी मॉडल गुजराती सोफा
- लक्जरी सोफा 9500/- से शुरु (गारंटी के साथ)
- लक्जरी पलंग हाई क्वालिटी के साथ
- स्टील आलमारी आटोमेटिक प्लांट द्वारा निर्मित, भट्टी पेंट वाली
- कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस टेबल, ड्रेसिंग टेबल कमप्यूटर चेयर ऑफिस चेयर इत्यादि की वैरायटी

आजाद मार्केट, रिसाली (भिलाई मसाला उद्योग के पीछे), भिलाई, मो. 9424151009, 9301188428

Authorised For: SOMANY Wall & Floor Tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

MemSaheb Ladies wear
JOCKEY UNDERWEAR IS OUR PASSION
JULIET
Shop No. 57, A Market, Sec-6 Bhilai
Om Prakash 9926004441, 0788-2284341

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
- गाऊन
- ब्रा. पेन्टी
- नाईटी
- ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

न्यू अप्सरा साड़ी सेन्टर
घाघरा, चुन्नी, कुर्ती, डिजाइनर साड़ियां सलवार सूट
सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
शॉप 151, ए-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन-2284063

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

जल जीवन मिशन के तहत 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

दुर्ग। जल जीवन मिशन के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन दुर्ग द्वारा आज क्रियान्वयन सहायक एजेंसी (आई.एस.ए.) एवं उनके सदस्यो का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ होटल कैमबिन, ग्रीन चौक, दुर्ग में जिला जल एवं स्वच्छता समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे एवं कार्यपालन अभियंता समीर शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन समर्थन(यूनिसेफ)से आये मास्टर ट्रेनर देवीदास निमजे, मनीष कुमार झा, नितेश सिंघरौल, श्रीमती गायत्री सिंह समेत सहयोगी कु. कृतिका वैष्णव इनके द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें क्रियान्वित सहयोगी एजेंसी के सदस्यों को स्वच्छ जल एवं स्वच्छता विषय पर विभिन्न विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में जल के विवेकपूर्ण इस्तेमाल तथा व्यक्तिगत स्तर पर प्रबंधन सामूहिक व ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन तथा संस्थानिक स्तर पर जल प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले सभी परिवारों को घरों तक पानी पहुंचाना है। 2024 तक ग्रामीण क्षेत्रों में सभी परिवारों तक पानी पाइपलाइन के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। देश के प्रत्येक परिवार को इस मिशन से जोड़ेंगे। इस कार्यक्रम में बताया गया कि नल जल के माध्यम से घरों में लग रहे नल कनेक्शन का सही तरीके से इस्तेमाल करने और पानी को बचाने के लिए जन जागरूकता लोगों में लाना बहुत आवश्यक है, इसमें आप सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। ग्राम स्तर पर जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों के सही तरीके से संचालन करने के लिए सभी लोगों का दायित्व और भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस तरह के कार्यक्रम से सामुदायिक भागीदारी के साथ-साथ पेयजल के प्रति उपभोक्ताओं की संवेदनशीलता भी जरूरी है, ताकि सरकार की योजनाओं का सही क्रियान्वयन कर सफल बना सकें।

ऑडिटोरियम का नाम स्व. लता के नाम पर करने विधायक एवं महापौर ने दी सहमति

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मंच दुर्ग के बैनर तले विगत दिनों स्वर कोकिला स्व लता मंगेशकर एवं प्रसिद्ध संगीतकार एवं गायक स्व बप्पी लहरी को श्रद्धांजलि स्वरुप संगीतमय आयोजन सुनहरी यादें में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित विधायक अरुण वोरा ने छत्तीसगढ़ मंच की मांग पर साइंस कॉलेज परिसर में निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का नाम स्वर कोकिला स्व लता मंगेशकर के नाम पर करने पर सहमति जताते हुए कहा कि इसके लिए वे शासन के समक्ष इस प्रस्ताव को रखेंगे उन्होंने कहां की लता जी को उनके गाए हुए गीतों के माध्यम से लोग युगो युगो तक याद रखेंगे। महापौर ने भी इस अवसर पर मंच को अपनी शुभकामनाएं देते हुए स्व लता जी के नाम पर ऑडिटोरियम का नामकरण करने की मांग पर सहमति जताई तथा एमआईसी में इसे पारित कराने की बात भी कही। मंच के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत संरक्षक तुलसी सोनी एवं दिनेश जैन ने बताया कि लता जी की तेरहवी पर उनकी स्मृति में आयोजित सुनहरी यादे में छत्तीसगढ़ की लता मंगेशकर पुरवा श्रीवास्तव ने लता जी के गाए गानों को अपनी कोयल सी मीठी आवाज में पेश कर उपस्थित संगीत प्रेमियों का दिल जीता। दुर्ग आईडल की जूनियर विजेता कृति बक्शी, कु. भाविनी अग्रवाल, आसना परवीन, श्रीजा दलाल, दुर्ग आइडल की विजेता सुबधा श्री, जया भारद्वाज, पुष्पांजलि हिरवानी, कंचन पाटिल,अन्वेशा गुप्ता ने भी कार्यक्रम में गीत प्रस्तुत कर लता जी की याद दिला दी। कार्यक्रम में मंच संचालक तुलसी सोनी, हरीश सोनी, यूसुफ चौहान, त्रिलोक सोनी, प्रणव सोनी, दीपक शर्मा ने भी लता जी के गाए गीतों को पेश कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। संरक्षक तुलसी सोनी ने बप्पी दा के गाए गीतों की भी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चित्रकार प्रवीण वासनिक, बाबू भाई संगीत प्रेमी एवं काफी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के द्वारा गुलदस्ता भेंट कर सौंपा ज्ञापन

सेक्टर 1 के हेल्थ सेंटर में कैसुअल्टी जल्द शुरू करने की रखी मांग

स्वास्थ्य सुविधाओं को खत्म करने से भारी नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोगों के स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरते लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन भिलाई टाउनशिप में संयंत्र प्रबंधन के द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार कटौती की जा रही है तथा स्वास्थ्य केंद्रों को बंद किया जा रहा है। इससे संयंत्र कर्मचारियों तथा उनके परिजनों में भारी नाराजगी है।

यहां एनएसयूआई तथा युवा कांग्रेस ने भी इस मुद्दे पर सेल प्रबंधन के खिलाफ भारी नाराजगी दिखाई है और उसके द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं में कटौती के विरोध में भिलाई टाउनशिप प्रशासन का 23 फरवरी को शांति पूर्वक गुलदस्ता देकर ज्ञापन देकर प्रदर्शन किया गया जिसने पूरे जिले भर से युवा कांग्रेस तथा एनएसयूआई के कार्यकर्ता शामिल हुए। नगर निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 7 राधिका नगर के पार्षद और शिक्षा खेल एवम युवा कल्याण विभाग के अध्यक्ष आदित्य सिंह के नेतृत्व में संयंत्र प्रबंधन के खिलाफ यह जंगी प्रदर्शन किया गया। पार्षद आदित्य सिंह ने बताया कि टाउनशिप में संयंत्र प्रबंधन के द्वारा तमाम सुविधाओं में लगातार कटौती की जा रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य सुविधाओं को भी बहुत सीमित कर दिया गया है तथा इसे आगे भी लगातार कम किया जा रहा है। विभिन्न सेक्टर में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों को बंद कर दिया गया है और अभी भी जानकारी मिल रही है कि कई स्वास्थ्य केंद्र को बंद करने की तैयारी की जा रही है। वही जो स्वास्थ्य केंद्र खुले हैं उनमें चिकित्सकों की कमी कर दी गई है।इन स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाइयां भी उपलब्ध नहीं रहती और संयंत्र के मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है। सेक्टर में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों को बंद कर दिए जाने के फलस्वरूप मुख्य चिकित्सालय सेक्टर 9 में मरीजों की भीड़ बढ़ती जा रही है। वहां भीड़ बढ़ जाने से मरीजों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इन दिक्कतों की और संयंत्र प्रबंधन का कई बार ध्यान आकर्षित कराया गया है लेकिन संयंत्र प्रबंधन इन समस्याओं के निराकरण के लिए उदासीन बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान कोविड-19 के कठिन संकट के दौर में लोगों की स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरतें बढ़ गई। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के वजह से ही बड़ी संख्या में संयंत्र कर्मचारियों की भी कोरोना के संक्रमण से मौत हो गई। कोरोना से संक्रमित हो जाने के बाद संयंत्र कर्मचारियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिली।

उन्होंने कहा कि वही संयंत्र के बड़ी

प्रतिबंधित पॉलीथिन रखने पर चार लोगों के खिलाफ 2000 रुपए का लगाया अर्थदण्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। निगम द्वारा आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर सिंगल यूज पॉलिथीन उपयोग करने वालो पर कार्रवाई की गई कार्रवाई उरला आहता,अग्रेसन चौक और आसपास के क्षेत्रों पर की गई. शराब भट्ठी अहाता संचालकों से भी पॉलिथीन उपयोग करने पर फाइन लगाया गया एवं पॉलिथीन उपयोग करने पर फाइन लगाया गया एवं पॉलिथीन जप्ती की कार्रवाई की गई।

आयुक्त ने सभी व्यवसायियों से अपील कर कहा है कि पॉलिथीन का उपयोग करने से स्वास्थ्य एवं जनहित पर विपरीत असर पड़ता है,पॉलिथीन का उपयोग करना बंद कर दे,जांच के दौरान पॉलीथिन पाए जाने पर उनके खिलाफ अधिक राशि के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. कार्रवाई के दौरान प्रभारी बाजार अधिकारी थानसिंग यादव, सहायक बाजार प्रभारी ईश्वर वर्मा, शशि यादव एवं भुवनदास साहू मौजूद थे. जिन व्यवसायियों से अर्थदण्ड वसूल किया गया, उसमें सौम्या दोना पत्तल से 500 रुपए,अरविन्द्र गुप्ता आहता उरला से 500 रुपए,रिकेश साहू जरनल स्टोर्स 500 रुपए,राजपूत नाश्ता सेंटर अग्रेसन चौक 500 रुपए कुल 2000 रुपये जुर्माना की कार्रवाई की गई।

डिजिटल सदस्य बढ़ाने विधायक की मौजूदगी में प्रभारी ने ली बैठक

कांग्रेस का सदस्य बनना गर्व की बातः अरूण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल सदस्यता अभियान में तेजी लाने के लिए दुर्ग शहरी क्षेत्र में प्रभारी नियुक्त किए गए सीजू एंथोनी की अध्यक्षता में राज्य भंडारगृह अध्यक्ष वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा व पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आर एन वर्मा एवं शहर जिला अध्यक्ष गया पटेल की मौजूदगी में राजीव भवन में बैठक आयोजित की गई।

जिस दौरान प्रभारी एंथोनी ने कांग्रेस जनों से नियत तिथि तक अधिक से अधिक संख्या में डिजिटल सदस्य बनाने की अपील की। विधायक वोरा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे जन हित के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने के लिए सदस्यता अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। हम सभी कार्यकर्ताओं को इस अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की आवश्यकता है ताकि 31 मार्च तक शहरी क्षेत्र में अधिक से अधिक संख्या में डिजिटल सदस्य बनाने का कार्य पूरा कर सकें जिसके लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। कांग्रेस का इतिहास देश की आजादी से जुड़ा हुआ है इसलिए हर व्यक्ति कांग्रेस से जुड़ना चाहता है। कांग्रेस का सदस्य होना गर्व का विषय है। इस दौरान सभापति राजेश यादव वरिष्ठ कांग्रेसी परमजीत सिंह भुई, ब्लाक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, राजकुमार साहू, महीप सिंह भुआल, राजकुमार पाली, अजय मिश्रा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कन्या ढीमर, एल्डरमैन अंशुल पांडेय, कृष्णा देवांगन, हरीश साहू, अनूप वर्मा, हेमू तिवारी, राकेश साहू, शिशिर कसार, सन्नी साहू सहित कांग्रेस जन मौजूद थे।

सर्वेक्षण पर कार्यशाला : अन्य पिछड़ा वर्ग सर्वेक्षण में पार्षदों की हो सहभागिताः पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का किया समाधान

रिसाली। अन्य पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के सर्वेक्षण में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता अति आवश्यक है। उक्त बातें क्वांटिफिएबल डाटा आयोग के अध्यक्ष सी.एल. पटेल ने कही। वे बुधवार को रिसाली पहुंचे थे। उन्होंने सर्वेक्षण संबंधी जानकारी देने के बाद मैदानी स्तर पर आने वाली समस्याओं का निराकरण किया।

नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के पार्षदों को कृष्णा टॉकिज रोड स्थित विजिया भवन में संबोधित करते आयोग के अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश सी.एल. पटेल ने कहा कि सर्वे के बाद परिवार के सद्स्यों का नाम ऑनलाइन करना अति महत्वपूर्ण कार्य है। कर्मचारी इसे सावधानी पूर्वक करे। किसी भी प्रकार का सर्वे में व्यवधान आने पर वे जनप्रतिनिधि पार्षदगण का सहायोग ले। पार्षदगण वार्ड के प्रत्येक घर से वाकिफ होते हे। सहयोग से सर्वे कार्य बेहद आसान हो जाएगा। इसके पहले आयोग के सचिव बी.सी. साहू ने अब तक हुए सर्वे और सर्वे के दौरान होने वाली त्रुटियों को किस तरह दूर किया जाए इस बारे में जानकारी दी। कार्यशाला की शुरूआत महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर व प्रभारी आयुक्त व कार्यपालन अभियंता सुशील कुमार बाबर ने अतिथियों का स्वागत कर किया।

30 मार्च तक करे सर्वे

आयोग के सचिव बी.सी. साहू ने कहा कि वर्तमान सर्वेक्षण कार्य शासन के निर्देश पर 30 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया है। उन्होंने रिसाली निगम क्षेत्र में बेहतर कार्य करने प्रोत्साहित किया। साथ ही पार्षदगणों को इस महत्वपूर्ण सर्वेक्षण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने आव्हान किया।

दस्तावेज की आवश्यकता नहीं

ओबीसी सर्वेक्षण में आयोग ने स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान ओबीसी के लिए दस्तावेज सत्यापन की आवश्यकता नहीं है। राशनकार्ड या जाति प्रमाण पत्र के बिना जाति के लिए निर्धारित जारी प्रपत्र के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग का सर्वे कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि साथ ही साथ ऑनलाइन का कार्य भी पूर्ण कराया जाए।

समस्याएं सूनी

कार्यशाला में कर्मचारियों और पार्षदों ने सर्वे के दौरान आने वाली समस्याओं को रखा। प्रभारी आयुक्त व कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर ने कहा कि वे समस्याओं को सूचीबद्ध किया है। जल्द ही समस्याओं को दूर किया जाएगा।

वैशालीनगर जोन में कुर्की करने गई टीम ने वसूला 664321 संपत्तिकर, बकाया वसूली के लिए कुर्की दल का अभियान

पुलिस बल की मौजूदगी में 4 स्थानों पर निगम की टीम पहुंची थी कुर्की के लिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत लंबे समय से संपत्ति कर जमा नहीं करने वाले के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। बकायादारों से कर वसूलने गठित टीम के कर्मचारी कुर्की करने पहुंच रहे है।

कुर्की के भय से लोग मौके पर ही निगम की कुर्की टीम को बकाया संपत्ति कर जमा करा रहे है। बकायेदारों पर शिकंजा कसना भिलाई निगम ने प्रारंभ कर दिया है और निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर गठित टीम ने आज दूसरे दिन वैशालीनगर जोन क्षेत्र में कार्रवाई किए और संपत्तिकर की वसूली किए। निगम प्रशासन ने बकायेदारों को कई दफा टैक्स जमा करने का नोटिस देकर समय दिया जा चुका है, वही कई मौके भी दिए गए है इसके बावजूद भी संपत्तिकर एवं अन्य टैक्स जमा नहीं करने वाले बकायेदारों पर अब निगम सख्ती कार्रवाई कर रही है। जोन 02 वैशालीनगर के सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम ने बताया कि निगम आयुक्त के निर्देश पर वैशालीनगर क्षेत्रांतर्गत पिछले 15-20 वर्षो से संपत्ति कर जमा नही करने वाले ऐसे बड़े बकायादार जिन्हे कुर्की वारंट जारी किया गया है इनसे संपर्क कर बकाया संपत्तिकर की राशि वसूलने के लिए टीम पहुंची और राशि की वसूली गई। इसमें नागसेन स्कूल से 4,80,213, हांडा इंजीनियरिंग से 57,464, गणेश लाल दास से 97,906 तथा बीके स्टील से 28,738 रूपये सहित कुल 6,64,321 राशि की वसूली की गई। कुर्की कार्रवाई के पहले दिन ही 8000 स्क्वायर फीट में निर्मित एक प्रथम मंजिला इमारत को निगम ने सील भी किया था। कुर्की दल के पहुंचने पर कुछ लोगों ने कुर्की की कार्रवाई से बचने के लिए राशि जमा कर मोहलत की मांग भी की है और निर्धारित समय अवधि में राशि जमा करने का विश्वास दिलाया है।

वसूली दल में पुलिस बल के साथ, जोन 03 एवं जोन 04 एआरओ मलखान सिंह सोरी एवं बालकृष्ण नायडू, स्पैरो टीम के नरेश कुमार, मधुसूदन, सन्नी कुमार, निगम के मदन तिवारी, गुप्तानन्द तिवारी, लक्ष्मीनारायण वर्मा, कन्हैयालाल, मंगल कुमार, खेमलाल, मानसिंह, राजेन्द्र प्रसाद सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित थे।

शिविर में ओबीसी सर्वे में छूटे हुए हितग्राहियों के आवेदन भी लिए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एपीएल एवं बीपीएल परिवारों का राशन कार्ड बनाया जा रहा है। शिविर में हितग्राही बढ़ चढ़कर इसका लाभ उठा रहे है। जिसमें छूटे हुए लोगों को बनवाने एवं पेंडिंग राशन कार्ड का निराकरण के लिए हितग्राही आवेदन कर सकते हैं।

साथ ही ओबीसी सर्वे में छूटे लोग भी शिविर में आवेदन कर सकते हैं। प्रभारी राजस्व अधिकारी नारायण यादव ने बताया कि शिविर में आज कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए है।एपीएल कार्ड के 52 और बीपीएल कार्ड 23 हितग्राहियों ने जमा किया है। राशनकार्ड बनाने के लिए लंबित आवेदनों का निराकरण भी किया जाएगा। नियमित समीक्षा के तहत भौतिक सत्यापन एवं पात्रता की जांच कर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

वार्ड 30 से 33 के लिए दिगम्बर जैन मंदिर,वार्ड 34 से 38 के लिए मोहनलाल बाकलीवाल गंजपारा,वार्ड 39 से 44 के लिए कसारीडीह प्राथमिक शाला वार्ड 45 से 48 में विवेकानंद भवन सभागार केंद्रीय जेल के सामने वार्ड 49 से 52 में शासकीय प्राथमिक शाला बोरसी,वार्ड 53 व 54 में शासकीय प्राथमिक शाला पोटिया,वार्ड 55 में शासकीय प्राथमिक शाला पुलगांव, सामने, वार्ड 57 व 58 में शासकीय प्राथमिक शाला उरला में लगाए जाएंगे।

स्वावलंबन के साथ ही तेजी से आर्थिक विकास को रखें समूह का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू एवं कृषि सचिव भारतीदासन ने दुर्ग जिले में धमधा एवं पाटन के गौठानों का निरीक्षण किया। यहां वे स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से मिले। अरसनारा, नारधा, कुम्हारी आदि के गौठानों में उन्होंने विविध आजीविकामूलक गतिविधियों का निरीक्षण किया।

पाटन ब्लाक में अरसनारा की महिलाओं ने उन्हें बताया कि यहां दो स्व-सहायता समूह काम करते हैं और दो लाख 45 हजार रुपए का लाभ बाड़ी के माध्यम से अर्जित कर चुके हैं। इन्होंने ब्रोकली जैसे नये दौर की फसल भी लगाई है। एसीएस ने कहा कि यहां के गौठान की खूबी है कि पूरी जगह का बेहतर तरीके से उपयोग किया गया है। सीजन के मुताबिक सब्जी लगाई जा रही है।

यह साल भर आय होने का रास्ता खोलता है। उन्होंने लिमतरा में बाड़ी भी देखी। यहां 21 एकड़ जमीन को सामुदायिक बाड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। अधिकारियों ने दो एकड़ जमीन में टमाटर की फसल का निरीक्षण किया। महिलाओं ने बताया कि हर दिन टमाटर बेच रहे हैं और बंपर उत्पादन हुआ है। समूह की महिलाओं ने बताया कि केवल टमाटर बेचकर उन्होंने एक लाख रुपए का लाभ जुलाई महीने से अब तक कमा लिया है। अधिकारियों ने बताया कि यहां 5 एकड़ स्प्रिंकलर को और विस्तार दिया जा रहा है। एसीएस ने समूह की महिलाओं से कहा कि शासन आपको अधोसंरचना उपलब्ध करा रहा है। तकनीकी मार्गदर्शन भी उपलब्ध करा रहा है। आपके पास आगे बढ़ने की असीमित संभावना है। समूह की महिलाओं ने कहा कि पहली बार में थोड़ा सा पैच लेकर प्रयोग किया था। इसे सफलता मिली और अब इसका विस्तार करेंगे। निरीक्षण के मौके पर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, एसएसपी बद्रीनारायण मीणा और जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन भी मौजूद थे।

सी-मार्ट में करें डिस्प्ले-

अरसनारा में भगवती स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि गौठान में मसाले बनाये जा रहे हैं। एसीएस ने मसालों का दाम पूछा। महिलाओं ने बताया कि दुकान में इसे आसानी से 250 रुपए में खरीद लेते हैं। एसीएस ने सलाह दी कि आप बाजार में इसका रेट पता करें और देखें कि कौन ज्यादा मार्जिन कमा रहा है। बाजार पर जितनी ज्यादा आपकी नजर रहेगी, आप उतनी ही तरक्की करेंगे। उन्होंने कहा कि गौठानों में जैविक खाद से सामग्री बन रही हैं। इनकी शहरी मार्केट में काफी डिमांड होगी। सी-मार्ट में भी इन्हें डिस्प्ले करें।

कुम्हारी में देखी केले की बाड़ी, इससे बने चिप्स बाजार में बेचे जाएंगे, डीएमएफ से दोना-पत्तल, अगरबत्ती बनाने दी गई मशीन कुम्हारी गौठान में बहुत सी आजीविकामूलक गतिविधि चलाई जा रही हैं। इनमें केले और आम की बड़ी बाड़ी लग गई है। यहां की वृहत केला बाड़ी से चिप्स बनाकर बाजार में बेचे जाएंगे। एसीएस ने ग्राम तर्रा, खेरधी में जलजीवन मिशन का काम भी देखा। उन्होंने कहा कि तय समयसीमा में तथा गुणवत्तापूर्ण ढंग से जिले के सभी कामों को पूरा करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950